E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 132 | प्रयागराज, शुक्रवार 04 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं,तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो

वॉशिंगटन/बिश्केक। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई ट्रेड डील हुई है। उनसे पीएम मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की मुलाकात को लेकर सवाल किया गया था। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर कोई देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करेगा, तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की एससीओ समिट के दौरान हुई मुलाकात के बाद आया है। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंध, व्यापार और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा था कि भारत ईरान के साथ अपने पुराने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने और नए क्षेत्रों को इसमें शामिल करने पर भी जोर दिया गया था। मोदी ने कहा था कि भारत ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों पर ईरान के

साथ सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने पजशकियान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भी दिया। भारत-ईरान में रु15,960 करोड़ का सालाना कारोबार, भारत का निर्यात ज्यादा- भारत और ईरान के बीच 2024-25 में 1.68 अरब डॉलर (करीब रु15,960 करोड़) का कारोबार हुआ। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि ईरान से 44 करोड़ डॉलर का आयात हुआ। यानी कुल कारोबार में भारत के निर्यात की हिस्सेदारी करीब 74फीसदी रही। ईरान भारत से बासमती खरीदने वाले बड़े देशों में है। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत ने ईरान को 7.91 लाख टन बासमती चावल निर्यात किया, जिसकी कीमत रु5,424 करोड़ रही। एक साल पहले इसी अवधि में 6.27 लाख टन बासमती, रु4,862 करोड़ में भेजा गया था, यानी मात्रा 26फीसदी और निर्यात मूल्य 12फीसदी बढ़ा। भारत-ईरान का कारोबार सिर्फ बासमती तक सीमित नहीं है। दोनों देशों के बीच अनाज और दवाओं का कारोबार प्रमुख है। भारत ईरान को चाय, चीनी, मैनमेड फाइबर और इलेक्ट्रिकल मशीनरी भी निर्यात करता है। जंग का असर कारोबार पर-पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से शिपिंग और ईरानी बंदरगाहों का काम प्रभावित हुआ। 1 मार्च 2026 तक कांडला पोर्ट पर ईरान जाने वाला 35,962 टन माल अटका था। इसकी कीमत करीब रु305.67 करोड़ थी। मुंद्रा पोर्ट पर भी 5,676 टन माल, करीब रु40.72 करोड़ का, फंसा था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका में 1 डॉलर के सिक्के पर ट्रम्प की बनी तस्वीर, एक सिक्का 230 रुपए तक बिका- हुआ आउट ऑफ स्टॉक

वॉशिंटन। अमेरिका ने अपनी 250वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर

वाला 1 डॉलर का खास सिक्का जारी किया है। अमेरिकी मिंट ने बुधवार दोपहर 12 बजे इसकी बिक्री शुरू की। 1 सिक्के की कीमत 2.44 डॉलर यानी 230 रुपए तक रखी गई। 25 और 100 सिक्कों के पैक बिक्री के लिए जारी किए गए। बिक्री शुरू होने के सिर्फ 3 घंटे बाद ही सिक्के आउट ऑफ स्टॉक हो गए। सिक्के के एक तरफ ट्रम्प की तस्वीर है। इसके साथ 'IN GOD WE TRUST' और 'LIBERTY' लिखा है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की मुहर और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए '250' लिखा गया है। 25 सिक्कों के पैक की कीमत 61 डॉलर- अमेरिकी मिंट के मुताबिक, 25 सिक्कों के पैक की कीमत 61 डॉलर और 100 सिक्कों के पैक की कीमत 154.50 डॉलर है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

97 साल की वृद्धा- 4 घंटे मलबे में दबी रहीं फिर पूछा- पानी ने मुझे क्यों मारा,नेपाल बाढ़ में 1243 की मौत

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण फ्लैश

फ्लड में 97 साल की गुना माया बोहरा करीब 4 घंटे तक मलबे में दबी रहीं। नुवाकोट के देविघाट में नदी किनारे बने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की ग्राउंड फ्लोर पर वह अपने कमरे में थीं। बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर तक पहुंचा और गुना माया को बहाकर एक किनारे तक ले गया, जहां पानी का बहाव कम था। उनके रिश्तेदार भी जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में सेना और पुलिस की मदद की। गुना माया को काठमांडू के बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू के बाद वह बहुत कम बोलती हैं और बार-बार एक ही सवाल पूछती हैं- 'पानी ने मुझे क्यों मारा?' नेपाल में इस बाढ़ से अब तक 1,243 लोगों की मौत हो चुकी है। भोटेकोशी नदी के रास्ते और अंडरग्राउंड पावरहाउस की सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश अब भी जारी है।

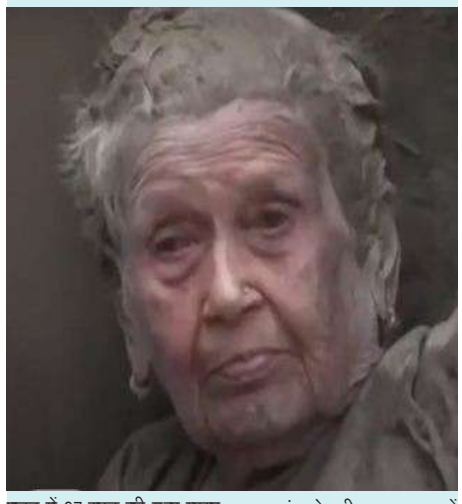

नीदरलैंड्स ने अमेरिका-कनाडा से 86 टन सोना हटाकर लंदन भेजा,बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा, कहा- संकट आने पर यहां आसानी से बेच सकेंगे

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड्स ने अमेरिका और कनाडा में रखा अपना 86 टन सोना निकालकर लंदन भेज दिया है। डच सेंट्रल

बैंक (डीएनबी) के मुताबिक, यह ट्रांसफर मार्च से अगस्त के बीच कई महीनों में किया गया। अब यह सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा गया है। डीएनबी ने बताया कि संकट की स्थिति में लंदन में रखा सोना ज्यादा आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है। बैंक ने इस फैसले के पीछे दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी हवाला दिया है। इस ट्रांसफर से पहले डीएनबी के कुल सोने का 31.3फीसदी न्यूयॉर्क और 19.7फीसदी ओटावा में रखा था। ट्रांसफर के बाद दोनों जगहों पर सोने की हिस्सेदारी घटकर 18.5फीसदी रह गई। वहीं, लंदन में रखे सोने की हिस्सेदारी 18.1फीसदी से बढ़कर 32.1फीसदी हो गई है। नीदरलैंड्स में 30.8फीसदी सोना अब भी रखा हुआ है। ओलाफ स्लेपेन प्रेसिडेंट, डीएनबीः- 'यह कदम देश की संकट से निपटने की तैयारी और मजबूती बढ़ाने के लिए जरूरी था।' 27 टन सोना न्यूयॉर्क-ओटावा से नीदरलैंड्स लाया गया- डीएनबी के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में 27 टन सोने की छड़ें न्यूयॉर्क और ओटावा से नीदरलैंड्स के जाइस्ट पहुंचाई गईं, फिर इसे लंदन भेजा गया। सोने की छड़ों को इस दौरान पिघलाने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, अटलांटिक महासागर के पार इतनी बड़ी मात्रा में सोना किस तरह पहुंचाया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। बाकी 59 टन सोने के लंदन भेजने के लिए अलग तरीका अपनाया गया। इसके लिए न्यूयॉर्क में रखा सोना बेच दिया गया और उसके बराबर मात्रा का सोना लंदन में खरीद लिया गया।एम्स्टर्डम। संकट में लंदन का सोना जल्दी इस्तेमाल हो सकेगा-डीएनबी के मुताबिक, बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा सोना दुनिया के सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाले गोल्ड मार्केट तक आसानी से पहुंच देता है। लंदन का गोल्ड मार्केट दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा लिक्विड बाजारों में माना जाता है। इसका मतलब है कि किसी संकट के समय लंदन में रखा सोना अमेरिका या कनाडा में रखे सोने की तुलना में जल्दी खरीदा या बेचा जा सकता है। जरूरत पड़ने पर सेंट्रल बैंक यहां रखे अपने सोने को दूसरे बैंकिंग संस्थानों को उधार भी दे सकते हैं। डीएनबी के मुताबिक, 2025 के अंत में नीदरलैंड्स के पास कुल 612.4 टन सोना था। इसकी कीमत करीब 72.2 अरब यूरो (करीब 8 लाख करोड़ भारतीय रुपए) थी। एक्सपर्ट बोले- लंदन में सोना जल्दी बेचा जा सकता है- फ्रांस की नेशनल गोल्ड काउंटर के प्रेसिडेंट लॉरेंट श्वार्ट्ज ने कहा कि दुनिया के कई सेंट्रल बैंक पिछले करीब 10 साल से अपने सोने को अलग-अलग देशों में रखने की जगह बदल रहे हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका के मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए भी कुछ सेंट्रल बैंक अपने सोने को दूसरे देशों में रखना पसंद कर सकते हैं। श्वार्ट्ज ने कहा कि लंदन दुनिया का सबसे बड़ा गोल्ड मार्केट है। यहां सोने की खरीद-बिक्री बड़े पैमाने पर होती है और जरूरत पड़ने पर इसे जल्दी बेचा जा सकता है। इसलिए अगर किसी देश के सामने आर्थिक या दूसरी तरह का संकट आता है, तो लंदन में रखा उसका सोना जल्दी काम आ सकता है। जरूरत पड़ने पर सेंट्रल बैंक अपने सोने के बदले दूसरे बैंकों से पैसा भी जुटा सकते हैं।

रूस-यूक्रेन ने काले सागर में 300 जहाजों पर हमले किए, दुनिया में गेहूं-मक्का महंगा होने का खतरा

मॉस्को। रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है। इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है। गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30फीसदी गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है। रूस का अनाज निर्यात 71फीसदी घटा-अगस्त में रूस का कुल अनाज निर्यात पिछले साल के 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया। यानी करीब 71फीसदी की गिरावट आई। रूस का गेहूं निर्यात भी 50 लाख टन से घटकर 13 लाख टन रह गया। रूसी गेहूं खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से

घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह गया। पिछले साल के मुकाबले गेहूं 30फीसदी महंगा हुआ-बंदरगाहों और जहाजों पर हमले बढ़ने से अनाज का समुद्री कारोबार प्रभावित हुआ है। दोनों देशों के गोदामों में अनाज मौजूद है, लेकिन उसे खरीदार देशों तक पहुंचाने में मुश्किल आ रही है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दिख रहा है। गेहूं की कीमतें पिछले एक साल में करीब 30फीसदी बढ़ चुकी हैं। यूक्रेन ने सड़क-रेल से निर्यात बढ़ाया, लेकिन सप्लाई कम- ब्लैक सी का समुद्री रास्ता प्रभावित होने के बाद यूक्रेन सड़क और रेल नेटवर्क के जरिए अनाज दूसरे देशों तक भेज रहा है। हालांकि इन रास्तों की क्षमता ब्लैक सी के बंदरगाहों की तुलना में काफी कम है। डेन्यूब नदी के रास्ते भी सीमित मात्रा में अनाज भेजा जा रहा है। लेकिन जलस्तर और परिवहन क्षमता की वजह से यह विकल्प समुद्री रास्ते की पूरी भरपाई नहीं कर पा रहा है। मक्का की ग्लोबल सप्लाई पर भी असर का खतरा-ब्लैक सी में बढ़ते तनाव का असर सिर्फ गेहूं पर नहीं, मक्का की सप्लाई पर भी पड़ सकता है। 2025-26 में यूक्रेन ने 2.3 करोड़ टन मक्का निर्यात किया था।यह दुनिया के कुल मक्का निर्यात का करीब 12फीसदी था। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

टीएमसी दफ्तर में सुबह 4:30 बजे तोड़फोड़ का आरोप, अभिषेक बोले- बीजेपी के लोग हथियारों के साथ घुसे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में बीजेपी के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। अभिषेक के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन करीब दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी ऑफिस को लेकर कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। कोलकाता नगर निगम ने 31 अगस्त को पुलिस की मौजूदगी में इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। इस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक समेत तीन टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थीं। 13 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। अभिषेक ने हमलावरों को गिरफ्तारी करने की मांग कीः-अभिषेक बनर्जी का दावा है कि हमले के दौरान एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर, टीवी और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी वहां से ले जाए गए। उन्होंने कहा- हमले की योजना किसने बनाई, किसके निर्देश पर इसे अंजाम दिया और बार-बार सूचना मिलने के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की, यह पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा- अगर लोग सुबह 4:30 बजे हथियारों के साथ किसी राजनीतिक दल के कार्यालय में घुस सकते हैं, लोगों पर हमला कर सकते हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि पुलिस मौजूद नहीं है, तो पश्चिम बंगाल में कानून का राज आखिर बचा क्या है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका के मिनियापोलिस में अपार्टमेंट में गोलीबारी, 2 की मौत, संदिग्ध हमलावर भी मारा गया-पुलिस अधिकारी भी घायल

मिनियापोलिस। अमेरिका के मिनियापोलिस में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट में गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोली चलाने वाला संदिग्ध भी मारा गया है। घटना में 3 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं, जिनमें 2 को गोली लगी है। तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है। पुलिस को स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 4:30 बजे बिल्डिंग में गोली चलने की सूचना मिली थी। इसके करीब 3 मिनट बाद पुलिसकर्मी बिल्डिंग में दाखिल हुए, जहां उन्हें पीड़ित मिले। पुलिस ने गोलियों की आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर कार्रवाई की। एक की मौके पर मौत, दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा- मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन के मुताबिक, एक पीड़ित की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। संदिग्ध की मौत कैसे हुई, यह तुरंत साफ नहीं हो सका। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर ने बताया कि अस्पताल में 7 मरीज लाए गए थे। हालांकि, अस्पताल ने घायलों की स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। पुलिस को ऊपर की मंजिल से गोलियों की आवाज सुनाई दी-पुलिस के मुताबिक, अधिकारी बिल्डिंग में दाखिल होने के बाद गोलियों की आवाज सुनकर ऊपरी मंजिल की ओर गए। वहां धुंध या धुएं जैसी स्थिति के कारण विजिबिलिटी काफी कम थी। घटना के बाद सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मिनियापोलिस कन्वेंशन सेंटर के पास एक अपार्टमेंट टावर की ओर पुलिसकर्मी राइफल ताने नजर आए। अधिकारियों ने पास के घनी आबादी वाले लॉरिंग पार्क इलाके के लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की चेतावनी दी।चश्मदीद ने 8 गोलियों की आवाज सुनी-अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहने वाले जूलियस बेली ने बताया कि वह बिल्डिंग के बाहर बैठे थे। तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी और एक ऐसे व्यक्ति को पिस्टल के साथ देखा, जिसे वह बिल्डिंग के निवासी के तौर पर पहचानते थे। बेली के मुताबिक, उन्होंने एक महिला को चिल्लाते सुना और तुरंत वहां से भाग गए। उन्होंने करीब 8 गोलियों की आवाज गिनी। बेली ने बताया कि वह व्यक्ति पहले भी हथियार दिखाता था। वह जून में इस बिल्डिंग में रहने आए थे और तब से उस व्यक्ति से बचने की कोशिश कर रहे थे। गवर्नर बोले- पुलिस की मदद के लिए राज्य के अधिकारी मौके पर-मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि राज्य के अधिकारी स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने डाउनटाउन मिनियापोलिस में लोगों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे पुलिस और अन्य फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स का आभार जताया। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने भी कहा कि एजेंसी घटना पर प्रतिक्रिया दे रही है। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही।

सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें,8 करोड़ रोजगार मिलेंगे, ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड- कैंसिल होगा-केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है। गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है,

लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है। नितिन गडकरी केंद्रीय मंत्रीः- 'ट्रैफिक का हर नियम तोड़ने पर ड्राइवर के खाते में नेगेटिव पॉइंट जुड़ेंगे। तय सीमा पार होने पर लाइसेंस सस्पेंड या रद्द किया जा सकेगा। इसका मकसद चालकों को नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए जिम्मेदार बनाना है।' भारी वाहन चालकों की ट्रेनिंग जरूरी-गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने जेसीबी इंडिया जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की। 10 लाख ड्राइवरों की स्वास्थ्य जांच-गडकरी ने 'सुरक्षा' पायलट प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत हाईवे, खनन और निर्माण जैसे जोखिम वाले कामों से जुड़े करीब 10 लाख ड्राइवरों और कर्मचारियों की मुफ्त मेडिकल जांच व काउंसलिंग होगी। पहले चरण में नागपुर-कामठी के एनएच-44 और चंद्रपुर के माइनिंग क्षेत्र में करीब 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य है।दोपहिया हादसों में सबसे ज्यादा मौतें-गडकरी के मुताबिक, भारत में दोपहिया हादसों में 81,780 मौतें हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। सीट बेल्ट न लगाना, हिट एंड रन, गलत दिशा में ड्राइविंग, शराब और मोबाइल का इस्तेमाल हादसों की बड़ी वजह हैं। सीट बेल्ट न लगाने से 14,466 और हिट एंड रन में 34,030 मौतें हुईं। इन आंकड़ों को देखते हुए वाहन चालकों की ट्रेनिंग, स्वास्थ्य जांच और ट्रैफिक नियमों के पालन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

आसिम मुनीर ने गुपचुप 'तख्तापलट' कर दिया, कैसे पाकिस्तान में सबसे ताकतवर बने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 5वीं बार सेना के जनरल ने 'तख्तापलट' कर दिया है। फर्क

बस इतना है कि इस बार ये टैंकों के जरिए नहीं, संसद के रास्ते हुआ है। आख़िर आसिम मुनीर को कौन-सी नई ताकतें मिल गई हैं? जवाबः नवंबर 2022 में आसिम मुनीर पाकिस्तान के 17वें आर्मी चीफ बने थे। उनका कार्यकाल खत्म होने से 6 महीने पहले, यानी मई 2025 में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च कर दिया। पाकिस्तान ने जीत का झूठा दावा किया और आसिम मुनीर को 'हीरो' बताया। इसके बाद आसिम मुनीर की ताकत बढ़ती चली गई. 20 मई 2025 को मुनीर फील्ड मार्शल बने। ये पाकिस्तानी सेना की सबसे ऊंची रैंक होती है। आम बोलचाल में इसे 'फाइव स्टार जनरल' कहते हैं। इससे पहले पाकिस्तान में सिर्फ जनरल अयूब खान इस रैंक तक पहुंचे थे। नवंबर 2025 को पाकिस्तानी संविधान के आर्टिकल 243 में 27वां संशोधन करके सेना में नया चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज, सीडीएफ का पद बनाया गया। मुनीर देश के पहले सीडीएफ बने। वो 2030 तक इस पद पर रहेंगे। संशोधन के जरिए इसे बढ़ाया भी जा सकता है। 20 अगस्त 2026 को पाकिस्तानी संसद में 2 नए कानून पारित हुए, जिससे सीडीएफ को 5 बड़ी शक्तियां मिल गई हैं। डिफेंस फोर्सेज ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 के तहत 3 ताकतेंः-सीडीएफ मुनीर की अगुवाई में एक 'डिफेंस फोर्सेज हेडक्वार्टर' बनेगा, जो तीनों सेनाओं के कामकाज और जंग से जुड़े फैसले लेगा। सीडीएफ के पास सेना प्रमुखों को छोड़कर तीनों सेनाओं के बाकी सारे ऑफिसर्स को रिटायर करने, हटाने, सर्विस खत्म करने या बनाए रखने या रिटायरमेंट में छूट देने का हक होगा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जिलाधिकारी ने गंगा नदी पर सलोरी-हेतापट्टी को जोड़ने वाले प्रस्तावित पुल के निर्माण के सम्बंध में सलोरी पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया,कार्यदायी संस्था को पानी घटने के उपरांत निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारम्भ कराये जाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बुधवार को

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को सलोरी-हेतापट्टी को जोड़ने वाले गंगा नदी पर बनने वाले प्रस्तावित पुल के निर्माण के सम्बंध में सलोरी पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। पुल के निर्माण कार्य, लागत एवं तकनीकी पहलुओं के बारे में कार्यदायी संस्था से जानकारी ली। उन्होंने जलस्तर घटने के उपरांत कार्यदायी संस्था को तुरंत कार्य प्रारम्भ कराये जाने के निर्देश दिए है।

कहा कि इस पुल के बन जाने से शिवकुटी, तेलियरगंज क्षेत्र के लोगो को सीधे हेतापट्टी जाने में सुविधा होगी और साथ ही साथ जाम की समस्या भी कम होगी।

प्रयागराज में होने वाले बड़े आयोजनों में श्रद्धालुओं को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।

निर्माण कार्यों के लिए डलमऊ पम्प नहर 7 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक रहेगी बंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिशासी अभियंता, रायबरेली खंड (द0), शारदा नहर, रायबरेली बृजेश मौर्य ने बताया कि वर्तमान में अत्यधिक वर्षा होने के कारण कृषकों द्वारा खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए पानी की मांग नहीं की जा रही है। साथ ही नहर की बंदी अवधि में विभिन्न प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन पक्के कार्यों को पूर्ण कराया जाना है। उन्होंने बताया कि जनपद रायबरेली में इस खंड के अंतर्गत डीपीसी के किमी 4.230, किमी 8.260, किमी 16.161 एवं किमी 18.481 पर वीआरबी के पुनर्निर्माण कार्य तथा डीपीसी के किमी 25.296 पर बने पुल के विस्तारीकरण के निर्माण कार्य स्वीकृत है। उक्त चेनजों पर पक्के पुलों के निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है, जिन्हें नहर की बंदी अवधि में ही कराया जाना संभव है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि कृषकों द्वारा खरीफ फसलों की सिंचाई हेतु पानी की मांग न होने तथा प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन पक्के कार्यों को समय से पूर्ण कराने के उद्देश्य से डलमऊ पम्प नहर को 7 सितम्बर, 2026 से 15 अक्टूबर, 2026 तक बंद रखा जाना प्रस्तावित है।

मथुरा में कान्हा जैसे सजे बच्चे को सीएम योगी ने झुनझुना बजाया

मथुरा। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मथुरा पहुंचे। यहां वह बच्चों के अन्नप्राशन के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान योगी ने बच्चों का झुनझुना बजाया। कान्हा बने बच्चों को टेडी बियर गिफ्ट किए। उनको गोद में लेकर दुलारा और खीर खिलाई। इस दौरान पीछे खड़ी सांसद हेमा मालिनी मुस्कुराती रहीं।इस मौके पर योगी ने कहा- पहले त्योहारों से पहले उपद्रव का डर रहता था। आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। पिछले कुछ सालों में यूपी में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है। अब त्योहारों से पहले लोगों के मन में डर नहीं, सुरक्षित माहौल को लेकर भरोसा रहता है।

चल रही जनगणना में पिछड़ी जातियों का कालम न होने के विरोध में धरना शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। राष्ट्रीय पिछड़ा

वर्ग मोर्चा के तत्वावधान में तहसील मुख्यालय गौरीगंज में पिछड़ी जातियों की गिनती न कराने के खिलाफ धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया है। चल रही जनगणना में पिछड़ी जातियों का कालम न होने और पिछड़ी जातियों की गिनती के लिए ड्राप डाउन सूची न देकर केंद्र सरकार द्वारा की गई धोखेबाजी के खिलाफ दूसरे दिन भी तहसील गौरीगंज परिसर में धरना जारी रहा। वक्ताओं ने केन्द्रीय सरकार की तीखी आलोचना की। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र पाल ने बताया कि यह धरना राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल के नेतृत्व में पूरे देश में चलाया जा रहा है।

पिछड़े वर्ग की जाति आधारित जनगणना न कराने से भाजपा की पिछड़ी जाति विरोधी मानसिकता उजागर हो गयी है। तहसील परिसर में धरने में बैठने वाले प्रमुख लोगों में

हरिश्चंद्र पाल संतोष कुमार मौर्य, जिलाध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा, रामराज जिलाध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी मोर्चा,

राजेश कुमार, राजेंद्र प्रसाद एडवोकेट, इंडियन लीगल प्रोफेशनल बार एसोसिएशन, जगप्रसाद अध्यक्ष बी एम पी, प्रांशू व के पी सविता बौद्ध आदि रहे। वक्ताओं ने बताया कि यह धरना-प्रदर्शन अनिश्चित काल तक जारी रहेगा।

परेड़ा में आकार लेगा प्रदेश का प्रथम उद्यान महाविद्यालय, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

लगभग 88 बीघा भूमि पर प्रस्तावित संस्थान को लेकर अधिकारियों से ली विस्तृत जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने आज हरचंदपुर विकासखंड के ग्राम परेड़ा

में लगभग 88 बीघा भूमि पर प्रस्तावित प्रदेश के प्रथम उद्यान महाविद्यालय के निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कृषि, कृषि शिक्षा, राजस्व एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित संस्थान की प्रगति, निर्माण कार्यों तथा परिसर में विकसित की जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से भूमि, निर्माण कार्य, संस्थान में प्रस्तावित शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित सभी कार्यों को आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ाया जाए तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। उद्यान मंत्री ने कहा कि परेड़ा में प्रदेश के प्रथम उद्यान महाविद्यालय की स्थापना रायबरेली ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उद्यान एवं कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक ज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे विद्यार्थियों एवं युवाओं को उद्यान विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा एवं बेहतर अवसर प्राप्त होंगे तथा कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में नवाचार एवं अनुसंधान को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ग्राम परेड़ा उत्तर प्रदेश के प्रथम उद्यान विश्वविद्यालय के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। यह संस्थान आने वाली पीढ़ियों के सपनों को पंख देने के साथ-साथ रायबरेली की शैक्षणिक एवं विकास यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ने का कार्य करेगा। मंत्री ने कहा कि जनपद में इस प्रकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं कृषि में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाएं।

उद्यान मंत्री ने अधिकारियों को परियोजना की प्रगति पर निरंतर निगरानी रखने तथा शासन की मंशा के अनुरूप संस्थान को उत्कृष्ट स्वरूप प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक उद्यान वीरेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, कृषि वैज्ञानिक के के सिंह सहित शिक्षा, राजस्व एवं उद्यान विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोदीपुर में जिला प्रशासन ने कराई विशेष कक्षाओं की व्यवस्था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशन में उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, खण्ड विकास अधिकारी संदीप सिंह एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह की पहल एवं सहयोग से बच्चों को शिक्षण व्यवस्था से जोड़े रखने के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित की गईं। जलभराव के कारण सामान्य शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होने के बावजूद शिक्षकों ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को विभिन्न विषयों की पढ़ाई कराई। विषम परिस्थितियों में भी बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा संवेदनशील पहल करते हुए सदर तहसील के अमावाँ विकासखंड के लोदीपुर गांव में जलभराव से प्रभावित बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान पर विशेष कक्षाओं का संचालन कराया गया, विशेष कक्षाओं के दौरान बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ चित्रकारी, रंग भरने एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी शामिल किया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ इन गतिविधियों में प्रतिभाग किया। इससे कठिन परिस्थितियों के बीच भी बच्चों का मनोबल बना रहा और उन्होंने पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों का आनंद लिया। प्रशासन की ओर से बच्चों के लिए फल, केला एवं मध्याह्न भोजन की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस पहल के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के साथ आवश्यक पोषण भी उपलब्ध कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य आपदा अथवा विषम परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा की निरंतरता बनाए रखना, उनकी सीखने की प्रक्रिया को बाधित न होने देना तथा उन्हें मानसिक रूप से प्रसन्न, सक्रिय एवं सुरक्षित रखना है। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी आपात परिस्थिति का प्रतिकूल प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर न पड़े।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अशोक त्रिपाठी, सतीश चौरसिया, हरिश्चंद्र पाण्डेय, नीलम, अर्चना, आकांक्षा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दिए सफलता के मंत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला समाज

कल्याण अधिकारी आर0वी0 सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पी0एम0 श्री राजकीय इंटर कालेज, रायबरेली में संचालित निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र में अध्ययनरत अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह द्वारा मोटिवेशनल क्लास आयोजित की गई। मोटिवेशनल क्लास के दौरान जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह ने अभ्यर्थियों को यू0पी0एस0सी0 (संघ लोक सेवा आयोग) की तैयारी के तौर-तरीकों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन के साथ-साथ समय प्रबंधन भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने अभ्यर्थियों से पाठ्यक्रम की जानकारी लेते हुए सुझाव दिया कि कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषयों के नोट्स अवश्य बनाएं और उनका बार-बार अध्ययन करें।

साथ ही, पुराने प्रश्नपत्रों को हल करने की नियमित आदत डालें, जिससे परीक्षा के पैटर्न को समझने और बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रति निरंतर

अनुशासन, नियमित अध्ययन और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

ऋण जमा अनुपात 60 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक ऋण वितरित करें बैंकः मुख्य विकास अधिकारी

सरकार प्रायोजित योजनाओं की पत्रावलियां 15 दिन से अधिक लंबित न रखने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी जागृति

अवस्थी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ऋण जमा अनुपात की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन बैंकों का ऋण जमा अनुपात जनपद के औसत 46 प्रतिशत से कम है, उनके नियंत्रक कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), एसएलबीसी एवं संस्थागत वित्त को पत्र निर्गत किया जाए। उन्होंने सभी बैंकों को अधिक से अधिक ऋण वितरण करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद का सीडी रेशियो निर्धारित 60 प्रतिशत के मानक तक पहुंच सके। बैठक में उत्पाद (ओडीओपी), मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, माटीकला योजना, स्वयं सहायता समूहों को सीसीएल, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पीएम स्वनिधि एवं पीएम सूर्य घर योजना की लंबित पत्रावलियों की बैंकवार समीक्षा की गई। अधिक पेंडेंसी वाले बैंकों को सख्त निर्देश देते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शाखा स्तर पर किसी भी पत्रावली को 15 दिनों से अधिक लंबित न रखा जाए। 15 दिन से अधिक समय से लंबित पत्रावलियों वाले बैंकों की सूची संबंधित विभाग को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। भारतीय रिजर्व बैंक के जिला विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि बैठक में बैंकों के नामित जिला समन्वयक ही प्रतिभाग करें तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की लंबित पत्रावलियों का पूरा विवरण साथ लेकर आएं। प्रत्येक लंबित पत्रावली के संबंध में स्पष्ट कारण भी प्रस्तुत किया जाए।अग्रणी जिला प्रबंधक ने सभी जिला समन्वयकों को अपनी शाखाओं से नियमित संपर्क बनाए रखने तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की सभी पत्रावलियों की अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पत्रावलियों को अधिक से अधिक स्वीकृत किया जाए तथा ऋण वितरण के बाद संबंधित विवरण पोर्टल पर तत्काल अपडेट किया जाए, जिससे सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में प्रगति परिलक्षित हो सके। बैठक में डीडीएम नाबार्ड, उपायुक्त एनआरएलएम, जिला कृषि अधिकारी, उप कृषि निदेशक, पशु चिकित्सा अधिकारी, डीआईसी के प्रतिनिधि, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि तथा बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

बाल सेवा एवं स्पॉन्सरशिप योजना के लाभार्थी बच्चों के अभिभावक जरूरी दस्तावेज जल्द कराएं उपलब्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला प्रोबेशन

अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने बाल सेवा एवं स्पॉन्सरशिप योजना के लाभार्थी बच्चों के अभिभावकों से आवश्यक दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि सत्यापन के उपरांत बच्चों को योजनाओं का लाभ समय से मिल सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत जनपद में 3386 बच्चे स्वीकृत हैं, जिन्हें रु2500 प्रतिमाह की सहायता राशि प्रदान की जानी है। इसी प्रकार स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत 2054 बच्चे स्वीकृत हैं, जिन्हें रु4000 की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे बच्चों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि लाभार्थी बच्चों के अभिभावक अपने बच्चे का नाम, आधार कार्ड एवं बैंक खाता संख्या व्हाट्सऐप के माध्यम से उपलब्ध करा सकते हैं। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर 7518024020 एवं 8303633583 जारी किए गए हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि आवश्यक दस्तावेज समय से उपलब्ध कराएं, जिससे उनका सत्यापन पूर्ण कर पात्र बच्चों को योजना का लाभ शीघ्र दिलाया जा सके।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर को सफल बनाये जाने हेतु आयोजित हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उ0प्र0 राज्य

विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, समस्त सिविल जज(व0 श्रेणी), समस्त अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, समस्त सिविल जज(क0 श्रेणी) के न्यायालयों में लम्बित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आहूत की गयी। उक्त बैठक की अध्यक्षता मा0 जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह द्वारा की गयी। मा0 जनपद न्यायाधीश द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में पिछले लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव साझा किये। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा के द्वारा मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिये गये निर्देशों के प्रकाश में न्यायालय में लम्बित मामलों का निस्तारण कर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने का अनुरोध किया गया। उक्त बैठक में अनिल पंचम, प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश व प्रतिमा, नोडल अधिकारी लोक अदालत उपस्थित रही।

डेली बैसवारा टाइम्स के संस्थापक स्वर्गीय भगवती प्रसाद दीक्षित की 40वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हुआ विशाल दंगल का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लालगंज/रायबरेली। डेली बैसवारा टाइम्स के संस्थापक स्वर्गीय भगवती प्रसाद दीक्षित की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल दंगल का आयोजन किया गया। उक्त दंगल में जिले, प्रदेश और देश के नामी पहलवानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आयोजक अंबुज दीक्षित द्वारा बताया गया कि स्वर्गीय भगवती प्रसाद दीक्षित की स्मृति में यह दंगल विगत 40 वर्षों से कराया जा रहा है। दंगल में राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं जिले स्तर के नामी पहलवानों द्वारा भाग लिया गया और उन लोगो द्वारा दंगल में अपने-अपने दांव पेच दिखाए गए। दंगल प्रातः 11 बजे से शुरू होकर देर शाम तक चलता रहा। दंगल में जूनियर और सीनियर वर्ग के पहलवानों ने जोर अजमाइश की।कुछ कुश्ती तो बहुत ही रोचक रहीं,जिससे उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन हुआ। कुश्ती में मुख्य मुकाबला मेरठ के पहलवान मोनू और पलटी खेड़ा के कैलाश के मध्य हुआ जिसमें पहलवान मोनू ने पलटी खेड़ा के कैलाश को पटकनी देकर हराया, वही खालिक पंजाब और भूरा कन्नौज के मध्य मुकाबला काफी रोचक रहा और काफी देर तक चला। भूपेंद्र उन्नाव और ओमवीर दिल्ली तथा मोहन माथुर और काली झबरा के बीच रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात समाजसेवी और भाजपा नेता अनूप पांडे द्वारा पहलवानों का परिचय प्राप्त कर कराया गया।

डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में रहने वाले हजारों परिवारों को बिजली से वंचित रखना अमानवीय,कनेक्शन देकर रोशनी का अधिकार सुनिश्चित करे सरकार- सतेन्द्र शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। काँग्रेस पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुये कहा है

कि नोएडा विधानसभा क्षेत्र के डूब क्षेत्र की लगभग 50 कालोनियों मे वर्षों से रह रहे हजारों परिवार आज भी बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं,लगभग 50 कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति काट दी गई है तथा स्थानीय निवासियों को नए बिजली कनेक्शन भी नहीं दिए जा रहे हैं, यह स्थिति बेहद चिंताजनक और निंदनीय है।उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक एवं नोएडा विधानसभा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा ने प्रदेश सरकार और बिजली विभाग से मांग की है कि डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में रहने वाले आम नागरिकों को तत्काल नियमित एवं सुरक्षित बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए तथा पात्र परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए जाएं। सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि डूब क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश परिवार वर्षों से अपने घरों में रह रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर, मध्यम वर्गीय और मेहनतकश परिवार शामिल हैं। बिजली आज कोई विलासिता नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य,सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की बुनियादी जरूरत है। ऐसे में हजारों परिवारों को अंधेरे में रहने के लिए मजबूर करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है,उन्होंने कहा कि बिजली विभाग को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। बिजली चोरी को रोकने और अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई करने के साथ-साथ वैध रूप से कनेक्शन लेने के इच्छुक नागरिकों को नियमानुसार कनेक्शन उपलब्ध कराना भी विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि डूब क्षेत्र की सभी प्रभावित कॉलोनियों का सर्वे कराया जाए,जिन परिवारों की बिजली काटी गई है उनकी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए और पात्र निवासियों को नियमानुसार मीटर लगाकर विद्युत कनेक्शन दिए जाएं।सतेन्द्र शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिजली विभाग और प्रशासन ने इस गंभीर जनसमस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया तो नोएडा विधानसभा कांग्रेस आम जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आवाज बुलंद करेगी। कांग्रेस का उद्देश्य किसी विभाग का विरोध करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों के मूलभूत अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि नोएडा के डूब क्षेत्र में रहने वाले नागरिक भी इसी शहर का हिस्सा हैं और उन्हें भी रोशनी,शिक्षा,सुरक्षा एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का पूरा अधिकार है। सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल कर वैध विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

लखनऊ में एअर इंडिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग-वाराणसी से भरी थी उड़ान

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के

विमान की गुरुवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक विमान के कार्गो में धुएं का अलार्म बजा था। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयरपोर्ट संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से परमिशन मिलते ही लैंडिंग कराई। विमान के उतरते ही रिस्पॉन्स टीम ने मोर्चा संभाला। फायर ब्रिग्रेड और टेक्निकल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। विमान की जांच की गई। वाराणसी एयरपोर्ट से गुरुवार सुबह 8 बजे उड़ान भरी। थोड़ी देर बाद ही कार्गो में स्मोक डिटेक्शन का अलार्म बजने लगा।

इसके बाद पायलट ने सुबह 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई। सुबह 9:02 बजे विमान से 155 यात्रियों और क्रू को उतारा गया। जांच के बाद विमान को एयरपोर्ट के स्टैंड पर पार्क किया गया।शुरुआती जांच के बाद बताया गया कि विमान में धुएं का कोई संकेत नहीं मिला। ऐसे में अलार्म कैसे बजा, इसकी जांच की गई।

10 वर्षीय धनंजय नेहरा की स्वर्णिम उपलब्धिः इंटरस्कूल नेशनल जीतकर मुख्य 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप' के लिए बनाई जगह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। छोटी उम्र, बड़ा हौसला

और अचूक निशाना! नोएडा के सेक्टर 105 (ए-56) में अपने परिवार के साथ रहने वाले 10 वर्षीय बाल निशानेबाज़ धनंजय नेहरा ने अपनी प्रतिभा के दम पर खेल जगत में सनसनी फैला दी है। हाल ही में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिताओं में एक के बाद एक शानदार जीत दर्ज करते हुए धनंजय ने इस वर्ष दिसंबर में आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित मुख्य 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2026' के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है। धनंजय की इस अद्भुत खेल यात्रा की शुरुआत 17 अगस्त 2026 को आयोजित 'सीबीएसई नॉर्थ ज़ोन शूटिंग चैंपियनशिप' से हुई, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने शानदार फॉर्म का परिचय दिया। इसके तुरंत बाद, 20 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित 'इंटरस्कूल स्टेट चैंपियनशिप' में भी धनंजय का दबदबा कायम रहा और उन्होंने अपने वर्ग में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए अगले चरण में प्रवेश किया। अपनी इस लय को बरकरार रखते हुए धनंजय ने 30 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक आयोजित प्रतिष्ठित '28वीं ऑल इंडिया कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप (इंटरस्कूल नेशनल)' में भाग लिया। इस राष्ट्रीय मंच पर 10 साल के धनंजय ने अद्भुत धैर्य और अचूक निशानों का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन अंकों के साथ क्वालीफाई किया। इस स्वर्णिम सफलता के साथ ही उन्होंने दिसंबर 2026 में होने वाली देश की सर्वोच्च 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप' का टिकट पक्का कर लिया। धनंजय की इस ऐतिहासिक सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा, 'इतनी कम उम्र में धनंजय का यह समर्पण और प्रदर्शन केवल सेक्टर 105 ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। धनंजय ने साबित कर दिया है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती।' उन्होंने आगे बताया कि आरडब्ल्यूए पूर्व में भी इस होनहार निशानेबाज़ को उनकी विलक्षण खेल प्रतिभा के लिए सम्मानित कर चुका है। धनंजय की इस स्वर्णिम उपलब्धि से उनके परिवार, स्कूल, कोच और पूरे सेक्टर 105 निवासियों में उत्साह और जश्न का माहौल है। सभी क्षेत्रवासियों और शुभचिंतकों ने इस नन्हें चैंपियन को दिसंबर में होने वाले आगामी नेशनल मुकाबले में स्वर्णिम सफलता के लिए अपनी अग्रिम शुभकामनाएँ दी हैं।

सेक्टर-82 पॉकेट-7 में चहुंमुखी विकास की ओर आरडब्ल्यूए का अहम कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-

7 में आरडब्ल्यूए टीम द्वारा सोसायटी के चहुंमुखी विकास

और सौंदर्यीकरण की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। आरडब्ल्यूए टीम के प्रयासों से सोसायटी में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सोसायटी के मुख्य गेट के सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण का कार्य जारी है। इसके साथ ही पार्कों में साफ-सफाई, सड़कों एवं गलियों की सफाई का कार्य भी युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। इससे पॉकेट का वातावरण पहले से अधिक स्वच्छ और सुंदर नजर आने लगा है। वहीं, सोसायटी में बने जिम के खराब हो चुके फ्लोर को भी दुरुस्त कराने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जिम के फर्श पर आज से टाइल लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। कार्य पूरा होने के बाद जिम का फ्लोर और अधिक सुंदर एवं सुविधाजनक हो जाएगा।

आरडब्ल्यूए टीम का कहना है कि सोसायटी में विकास के सभी कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे ने बताया कि टीम का पूरा प्रयास है कि पॉकेट-7 निरंतर विकास और बेहतर सुविधाओं के पथ पर आगे बढ़ता रहे।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे ने सोसायटीवासियों से सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सभी कार्य धीरे-धीरे पूर्ण किए जाएंगे,इसलिए निवासी निश्चिंत रहें।

सर्वोच्च जैन तीर्थ 20 जैन तीर्थंकर मोक्षस्थल सम्मेद शिखर जी की पवित्रता और पर्यावरण संरक्षण हेतु केन्द्रीय वन मंत्रालय एवं झारखण्ड सरकार से मांग

पारसनाथ पर्वतराज की पवित्रता हेतु मांगो पर प्रचारित भ्रामक जानकारी पर स्पष्टीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। झारखंड के गिरिडीह जिले में स्तिथ सबसे ऊँचे 'पारसनाथ पर्वतराज' सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी

से 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था, जिसका कण-कण जैन समाज के लिये पूजनीय है! पर्वतराज प्रवेशद्वार पर सामान जांच, यात्री पंजीकरण एवं पर्वतराज पर सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा व्यवस्था ना होने के कारण फिल्मी गानों पर अश्लील विडियो बनाएं जाने, नशा करने, बाइक संचालन आदि अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों के कारण पर्वतराज की पवित्रता और पर्यावरण को नष्ट किया जा रहा है, जिससे सकल जैन समाज में दुख व्यापत है! गुरुवार को नोएडा मीडिया क्लब में विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने केंद्रीय वन मंत्रालय और झारखण्ड सरकार से पर्वतराज की पवित्रता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्वतराज प्रवेशद्वार पर यात्रियों का पंजीकरण, स्कैनर व बैरियर सहित सामान जांच चेक पोस्ट बनाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, वंदना मार्ग को अवैध अतिक्रमण मुक्त कराने और बाइक संचालन, किसी भी प्रकार का नशा करने, प्लास्टिक सामग्री उपयोग एवं फिल्मी गानों पर विडियो रील बनाने पर प्रतिबंध की मांग की! संजय जैन ने दुःख प्रकट करते हुए कहा कि पर्वतराज की पवित्रता बनाए रखने हेतु जारी मांगो पर सोशल मीडिया में भ्रामक जानकारी प्रेषित की जा रही है और अनावश्यक विवाद पैदा करने का दुखद प्रयास किया जा रहा है जबकि मधुवन के स्थानीय समाज, संस्था, नेता या किसी पार्टी विशेष के विरुद्ध कोई भी ना तो ब्यान दिया गया और ना ही कोई मांग की गयी है, जिसके स्पष्टीकरण के लिए विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है! संगठन के महामंत्री राहुल जैन, राष्ट्रीय मंत्री अनुज जैन एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आकाश जैन ने बताया कि प्राचीन जैन शास्त्रों, केंद्र व राज्य सरकारों, पुरातत्व विभाग, झारखंड सरकार एवं केन्द्रीय वन मंत्रालय द्वारा श्री सम्मेद शिखर जी पारसनाथ पर्वतराज को जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों और अनंत संतो की सर्वोच्च और पवित्र मोक्षस्थल मानकर सम्मान दिया है जिसकी पवित्रता बनाये रखना हम सबकी जिम्मेबारी है!

संगठन की नोएडा शाखा अध्यक्ष के. के. जैन, सम्मानित सदस्य विरेन्द्र जैन व अभिषेक जैन, संगठन की युवा प्रकोष्ठ महामंत्री सागर जैन,

नोएडा सेक्टर 27 जैन मंदिर प्रधान पवन कुमार जैन,सेक्टर 50 जैन मंदिर प्रधान प्रदीप चंद्र जैन, सीए विपुल जैन, लक्ष्मी नगर शाखा अध्यक्ष अतुल जैन एडवोकेट एवं अन्य जैन संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्यों ने कहा कि पर्वतराज की पवित्रता के साथ पर्यावरण नष्ट करना दुखद एवं चिंतनीय है, जैन समाज कभी भी किसी भी धर्म, संस्कृति का विरोध नही करता और ऐसे ही सबसे उनके तीर्थराज की पवित्रता बनाये रखने की सबसे आशा करता है!

सलेमपुर के जीएम एकेडमी में कान्हा के रंग में रंगा पूरा परिसर! नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने राधा-कृष्ण की प्रस्तुतियों ने बांधा समां!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर-प्रदेश के देवरिया

जिले के सलेमपुर कस्बा स्थित जीएम एकेडमी में आज गुरूवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर ऐसा भव्य नजारा देखने को मिला, मानो पूरा विद्यालय परिसर गोकुल और वृंदावन में बदल गया हो। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से हर किसी का दिल जीत लिया। नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नृत्य, भजन व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से श्रीकृष्ण की लीलाओं को जीवंत कर दिया। 'अरे रे मेरी जान है राधा', 'राधा नाचेगी', 'राधा कैसे न जले' और 'वो कृष्ण है' जैसी प्रस्तुतियों पर बच्चों ने शानदार नृत्य किया। 'मेरे बांके बिहारी', 'राधा गोरी-गोरी', 'श्यामा आन बसो' और 'बांके बिहारी लाल' ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। 'श्रीकृष्ण गोविंदा हरे मुरारी' की प्रस्तुति पर पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। 'अयि गिरि नंदिनी' पर बच्चों का तांडव और 'गोकुल की राधा चली' की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं 'राधे कौन से पुण्य किया', 'जन्मे हैं गोकुल

में कृष्ण कन्हैया', 'यदुनाथ का नाम दयानिधि' और 'अरे द्वारपालों' जैसे भजनों ने श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना दिया। आर्यन एवं ग्रुप, चैताली एवं ग्रुप, श्रेयांशी, नव्या एवं ग्रुप, प्रियंशी तिवारी, साक्षी एवं ग्रुप, आस्था मिश्रा, साक्षी यादव, सपना यादव, अनन्या दीक्षित और मेधा मिश्रा सहित विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की खूबसूरत झलक पेश की। अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन द्विवेदी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन किया और प्रेम, करुणा, धैर्य व मानवता का संदेश दिया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों से श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाने का आह्वान किया। शिक्षक एसके गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर आयोजित यह समारोह बच्चों की प्रतिभा, भक्ति, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम बना, जिसे देखकर हर कोई भावविभोर नजर आया।

द एसडी विद्या स्कूल, नोएडा में अंतर-विद्यालयी वॉलीबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। द एसडी विद्या स्कूल, नोएडा में बालक एवं बालिका (अंडर-18) वर्ग की अंतर-विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी विद्यालयः-बालिका वर्गः-एस. के. वी. मंडी, दिल्ली, एम. एच. पब्लिक स्कूल, नेहरू इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा, समरविले स्कूल, नोएडा, कैम्ब्रिज स्कूल, ग्रेटर नोएडा, नीलगिरी हिल्स पब्लिक स्कूल, नोएडा, द एसडी विद्या स्कूल, नोएडा, असीसी कॉन्वेंट स्कूल, नोएडा, दीप मेमोरियल पब्लिक स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर, सर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल, बालक वर्गः- दीप मेमोरियल स्कूल, गाजियाबाद, एम. एच. पब्लिक स्कूल, बादलपुर, नीलगिरी हिल्स पब्लिक स्कूल, सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल, स्पर्श इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा, नेहरू इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा, सर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल, असीसी कॉन्वेंट स्कूल, नोएडा, द एसडी विद्या स्कूल, नोएडा, महर्षि विद्या मंदिर, नोएडा, ब्रह्मानंद पब्लिक स्कूल, नोएडा, नोएडा एजुकेशनल एकेडमी, पारस पब्लिक स्कूल, उत्तराखंड पब्लिक स्कूल, नोएडा, पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में एम. एच. पब्लिक स्कूल, बादलपुर (दादरी) ने ब्रह्मानंद पब्लिक स्कूल, नोएडा

बादलपुर (दादरी) ने सर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं बालक वर्ग के फाइनल में एम. एच. पब्लिक को हराकर खिताब जीता। इस प्रकार एम. एच. पब्लिक स्कूल ने दोनों वर्गों में विजेता बनकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी एवं शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता आशीष तिवारी रहे। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषभ सोनी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी त्रिपाठी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस सफल आयोजन के लिए स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर गौरांग राठी एवं स्पोर्ट्स टीचर रंजन ठाकुर को विशेष धन्यवाद, जिनके अथक प्रयास और कुशल समन्वय से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का समापन विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान करने तथा सभी प्रतिभागी विद्यालयों, कोचों और निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

कौशांबी के पटाखा फैक्ट्री मालिक के बेटे का एनकाउंटर,दोनों पैर में गोली मारकर पकड़ा,हो चुकी 14 की मौत

कौशांबी। कौशांबी की अवैध पटाखा फैक्ट्री के मालिक के बेटे आदिल (18) को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 2 बजे आदिल की घेराबंदी की। उसे रोकने की कोशिश की। आदिल बाइक मोड़कर भागने लगा। इसी दौरान बाइक फिसल गई। उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। दो राउंड फायर किए। जवाबी फायरिंग में उसे गोली लग गई। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में अब तक 9 बच्चों समेत 14 की मौत हो चुकी है। मंगलवार तड़के पुलिस ने आदिल के पिता और फैक्ट्री मालिक नौशाद (50) को एनकाउंटर के बाद अरेस्ट किया था। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। इसके अलावा, मंगलवार रात बुलडोजर चलाकर आदिल का घर भी ढहा दिया गया। पुलिस से बोला- पैसे कमाने के लिए विस्फोटक सामग्री बनाता था-पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आदिल ने अपनी गलती स्वीकार की। उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर पैसे कमाने के लिए अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री बनाता था। इसके लिए महमूदपुर मनौरी पावर हाउस के पास बने एक गोदाम का इस्तेमाल किया जाता था। 31 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे इसी गोदाम में रखे पटाखों और बारूद में अचानक विस्फोट हो गया था।

खतरे के निशान से 44 सेंटीमीटर ऊपर सोन नदी, तटवर्ती बस्तियों में पहुंचे डीएम-एसपी,चोपन में नदी किनारे बस्तियों का किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा एवं सतर्कता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। लगातार हो रही भारी वर्षा से सोन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ते हुए खतरे के

निशान से 44 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने चोपन में सोन नदी के किनारे स्थित बस्तियों का औचक निरीक्षण कर जमीनी स्थिति एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नदी के बढ़ते जलस्तर, तटवर्ती बस्तियों की स्थिति एवं संभावित संवेदनशील स्थानों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी किनारे एवं निचले क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जाए तथा नागरिकों को समय-समय पर बढ़ते जलस्तर के प्रति सचेत किया जाए। जिलाधिकारी ने नदी तट के संवेदनशील एवं आवागमन वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने और सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी व्यक्ति नदी के किनारे अथवा तेज बहाव वाले क्षेत्र में न जाए। साथ ही आवश्यकता की स्थिति में राहत एवं बचाव से संबंधित सभी व्यवस्थाएं तत्पर रखे जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सोन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है, इसलिए विशेष सतर्कता बरतें। नदी तट, तेज बहाव एवं जलप्रवाह वाले स्थानों पर जाने से बचें तथा बच्चों एवं पशुओं को भी इन क्षेत्रों से दूर रखें। प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं एवं दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। जिला प्रशासन द्वारा सोन नदी के जलस्तर एवं तटवर्ती क्षेत्रों की स्थिति पर पूरी सतर्कता के साथ निरंतर निगरानी रखी जा रही है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व श्री वागीश कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी ओबरा रवि कुमार पासवान, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, सीओ सदर रणधीर मिश्रा, ईओ नगर पंचायत चोपन सहित संबंधित अधिकारियों उपस्थित रहे।

किसानों की सुविधा के लिए बढ़ेंगे धान क्रय केन्द्र, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

इस वर्ष 1.70 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित करने की कार्रवाई के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष

में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने किसानों की सुविधा एवं धान खरीद की सुचारू व्यवस्था के लिए क्रय केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अनुमोदित 38 क्रय केन्द्रों को बढ़ाकर 50 करने तथा मण्डी समिति एवं भारतीय खाद्य निगम के 02-02 क्रय केन्द्रों के अतिरिक्त 02-02 केन्द्र बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पीसीएफ को अपने 30 धान क्रय केन्द्रों का प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने गतवर्ष की वास्तविक धान खरीद 1,25,837.34 मीट्रिक टन तथा जनपद में धान की उत्पादकता को देखते हुए इस वर्ष खरीद लक्ष्य में वृद्धि के निर्देश दिए। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं उप निदेशक (कृषि) को आवश्यक कार्रवाई करते हुए 1,70,000 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किए जाने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीद से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की कठिनाई न होने पाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, उप निदेशक (कृषि), सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, मण्डी सचिव रॉबर्ट्सगंज, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना कोन पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र से इतिहास-1. मु0अ0सं0 23/2026, धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध

सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना कोन पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 03.09.2026 को मुखबिर खास की सूचना पर थाना कोन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 143/2026, धारा 3(1) 30प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी संबंधित वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र यादव पुत्र इन्द्रजीत यादव, निवासी परती, थाना केतार, जनपद गढ़वा, झारखण्ड, उम्र करीब 27 वर्ष को थाना कोन क्षेत्रान्तर्गत चांचीकला पुलिया से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- धर्मेन्द्र यादव पुत्र इन्द्रजीत यादव, निवासी परती, थाना केतार, जनपद गढ़वा, झारखण्ड, उम्र करीब 27 वर्ष। आपराधिक अधिनियम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 2. मु0अ0सं0 143/2026, धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट, थाना कोन,

जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः-1. प्र0नि0 अखिलेश कुमार मिश्र, प्रभारी निरीक्षक थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 वीरेन्द्र वर्मा, चौकी प्रभारी बागेसोती, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 राकेश राय, चौकी प्रभारी चांचीकला, थाना कोन, जनपद सोनभद्र।4. हे0का0 राजेश कुमार यादव, थाना कोन, जनपद सोनभद्र।

सोनभद्र के कांग्रेसजनों द्वारा कचहरी परिषर के पत्रकारिता व राजनीति के प्रतिमान पुरुष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कमलापति त्रिपाठी जी की 121 वी जयंती गोष्ठी के रूप में मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अधिवक्ता एवं युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव धीरज पांडेय ने कहा कि मात्र 15 साल की आयु में 1920 के असहयोग आंदोलन में जेल जाने वाले कमलापति त्रिपाठी जी महात्मा गांधी जी द्वारा भारत की आज़ादी के लिए सुरु किए गए विभिन्न आंदोलनों में करीब छह वर्ष जेल में रहे, वह पत्रकारिता जगत से भी जुड़े रहे जेल में रहते वक्त स्वर्गीय त्रिपाठी जी ने बापू और मानवता, बापू और भारत, इस्लामी दुनिया का सिरताज जैसे ग्रंथ लिखे, आचार्य नरेंद्र देव और संपूर्णानंद के शिष्य के रूप में काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि ली, प्रसिद्ध संपादक बाबू राव पड़ाकर के शिष्य के रूप में सन 1932 से अपनी पत्रकारिता करने वाले त्रिपाठी जी ने आगे चलकर आज और संसार जैसे प्रतिष्ठित पत्रों का संपादन किया एक हिंदी सेवी और साहित्यकार के रूप में उनका अहम योगदान रहा उनका संपादकीय कार्य 1952 के आम चुनाव तक जारी रहा उसके बाद तो वह विधायक व उत्तर प्रदेश मन्त्रिमण्डल के सदस्य के तौर पर सत्ता की राजनीति से जुड़े रहे उसके अगले पांच दसक उप मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री,केंद्रीय मंत्री,राज्य सभा के नेता विपक्ष जैसी भूमिकाएं उनके नाम रही, आशुतोष पाठक ने कहा की स्वर्गीय कमलापति त्रिपाठी जी अपने राजनीतिक दौर में एक दक्ष प्रशासक और विकास के राजनीति के लिए जाने गए उत्तर प्रदेश में सिंचाई और बिजली विभाग और केंद्र में रेल, सड़क,परिवहन मंत्री के रूप में उन्होंने अपने काम काज से हर क्षेत्र में गहरी छाप छोड़ी,उनके संगठन क्षमता का ही सम्मान था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष के रुप मे स्वीकार्य किया, साथ ही साथ पंडित जी एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति थे वो लगभग तीन घण्टे पूजा करते थ

` सनातन में उनकी गहरी आस्था थी एक बार इंदिरा जी ने उनसे कहा कि पंडित जी एक शिकायत है आपकी के आप पूजा पाठ में ज्यादा वक्त देते हैं तो त्रिपाठी ने कहा कि बस यही एक ही ऐब है क्लब जाता नही, ताश खेलता नही पूजा के बाद शेष समय काम ही करता हूँ इसपर इंदिरा जी मुस्करा कर चुप हो गयी,

शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि स्वर्गीय कमलापति त्रिपाठी जी का अपने छेत्र में गहरी पैठ थी उन्होंने ने आम लोगो का बहुत काम किया उनके यहां से कोई निराश हो कर कभी नही लौटा, विशेषकर पूर्वांचल के लिए चाहे सिचाई नहर बांध पम्प कैनाल की व्यवस्था हो या रेलवे का विस्तार हो या लोगो को नौकरी दिलाने का कार्य हो इस कारण मिर्जापुर,

सोनभद्र, बनारस, चंदौली समेत कई जिले के लोग उन्हें भगवान की तरह पूजते थे।

उक्त अवसर पर रामानंद पांडेय, जितेंद्र विश्वकर्मा, दिव्यज्योति सच्चिदानंद, जितेंद्र पांडेय, प्रदीप पटेल, अजय विश्वकर्मा, मनोज चौहान,कमलेश मौर्य,राजा पांडेय, उपस्थित रहे।

एक निजी अस्पताल में इंजेक्शन लगाते ही 2 साल की मासूम की मौत, परिजनों का फूटा गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) का आरोप-अस्पताल के अनट्रेंड

सोनभद्र। अनट्रेंड कर्मी की लापरवाही बनी कालः परिजनों स्वास्थ्य कर्मी द्वारा इंजेक्शन लगाते ही मासूम शगुन की हुई मौत। एक निजी अस्पताल पर लगे गंभीर आरोपः चुर्क वार्ड नंबर 1 निवासी सुरेंद्र कुमार की 2 वर्षीय पुत्री शगुन को मौसमी बुखार के इलाज के लिए कराया गया था भर्ती।

देर रात अस्पताल में मचा कोहरामः 2 से

3 बजे के बीच इलाज के दौरान मासूम ने तोड़ा दम, परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल।

अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल,

परिजनों ने कठोर कार्रवाई की उठाई मांग।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

श्रीलंका की कप्तान ने 5 रन देकर 7 विकेट लिए,हैट्रिक भी बनी, एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

दुबई। दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए। अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं। 19वें ओवर में हैट्रिक बनाई-चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया। उन्होंने 19वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया। जावेरिया खान का रिकॉर्ड टूटा- इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के

नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड भी तोड़ा- अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं। इससे पहले टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के विमेंस एडिशन में पाकिस्तान की तीन और थाईलैंड की एक गेंदबाज 5-5 विकेट ले चुकी थीं। मेंस टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप में भुवनेश्वर कुमार 5 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। 7 विकेट लेने वालीं दुनिया की दूसरी कप्तान बनीं-चमारी अटापट्टू किसी टी-20 इंटरनेशनल मैच में 7 विकेट लेने वाली दुनिया की सिर्फ दूसरी कप्तान बनी हैं। उनसे पहले अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स ने यह कारनामा किया था। स्टॉक्स ने 14 अक्टूबर 2022 को पेरू के खिलाफ 3.4 ओवर में 3 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे।

इमाम-उल-हक पर 2 साल का बैन लग सकता है,लॉर्ड्स टेस्ट में हुई इंजरी की पीसीबी जांच कराएगा,रिजवान भी घेरे में

स्पोर्टडेस्क। पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम-उल-हक पर लॉर्ड्स टेस्ट में इंजरी को लेकर 1 से 2 साल तक का बैन लग सकता है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान

क्रिकेट बोर्ड उनकी पिंडली की चोट से जुड़े मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की तैयारी में है। जांच में अगर इमाम दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 1 से 2 साल का बैन लगाया जा सकता है। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन लगी थी पिंडली में चोट-इमाम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग के दौरान पिंडली में हल्का खिंचाव आया था। इसके बाद वे पाकिस्तान की दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। पाकिस्तान पहली पारी में 110 रन पर ऑलआउट हुआ था, जबकि दूसरी पारी में 389 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 194 रन पर सिमट गया। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 194 रन से जीता था। इमाम की चोट और इसके बाद उनकी अनुपलब्धता को लेकर पीसीबी ने जांच कराने का फैसला किया है। 2025 में भी इंजरी को लेकर जांच हुई थी-इमाम पहले भी चोट से जुड़े विवाद में रह चुके हैं। मार्च 2025 में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान इंडोर नेट सेशन में गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी थी। जियो न्यूज के मुताबिक, उस मामले की पीसीबी जांच समिति ने इमाम को मेडिकल स्टाफ को गुमराह करने और चोट के लक्षणों को गलत तरीके से पेश करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। समिति ने माना था कि इमाम ने पाकिस्तान के पहले वनडे में नहीं खेलने के लिए अपनी चोट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था। रिजवान से भी पीसीबी करेगा पूछताछ- इमाम के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी अनुशासन से जुड़े मामले में पीसीबी की जांच के घेरे में हैं। जियो न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड आने वाले दिनों में रिजवान से पूछताछ कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में पाकिस्तान की टीम में उनकी वापसी की संभावना कम मानी जा रही है। लॉर्ड्स हार के बाद 7 खिलाड़ियों को टेस्ट स्क्वॉड से किया रिलीज-इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 194 रन से हार के बाद पाकिस्तान ने टेस्ट स्क्वॉड में बड़े बदलाव किए हैं। इमाम और रिजवान समेत 7 खिलाड़ियों को टीम से रिलीज किया गया। इनमें सलमान आगा, अली उस्मान, आमिर जमाल, ओवैस जफर और खुर्रम शहजाद भी शामिल हैं। तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान ने 5 अनकैप्ड खिलाड़ियों को स्क्वॉड में शामिल किया है। इनमें अराफात मिन्हास, मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान रंधावा और रजाउल्लाह शामिल हैं। सैम अय्यूब और अब्दुल्ला फजल को भी टीम में जगह मिली है। 9 सितंबर से एजबेस्टन में तीसरा टेस्ट-इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच सीरीज का तीसरा और अंतिम टेस्ट 9 सितंबर से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लैंड सीरीज में 2-0 से आगे है। पाकिस्तान के सामने अब सीरीज में क्लीन स्वीप से बचने की चुनौती है।

गिल, श्रेयस, गंभीर और लक्ष्मण बीसीसीआई हेडक्वार्टर पहुंचे, टीम इंडिया के प्रदर्शन पर रिव्यू मीटिंग होगी, वनडे वर्ल्डकप 2027 पर भी चर्चा हो सकती है

स्पोर्ट डेस्क। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और टी-20 कप्तान श्रेयस

अय्यर गुरुवार को रिव्यू मीटिंग के लिए मुंबई स्थित बीसीसीआई हेडक्वार्टर पहुंचे। उनके साथ हेड कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) हेड वीवीएस लक्ष्मण भी पहुंचे। बैठक में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन की समीक्षा होगी, जबकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों पर भी चर्चा हो सकती

है। कई रिपोर्टों के अनुसार, यह रिव्यू मीटिंग पहले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के बाद होनी थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के दौरे के कारण इसमें देरी हुई। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और अध्यक्ष मिथुन मन्हास भी बैठक में शामिल हैं। भारत लगातार दो टी-20 सीरीज हारा-डिफेंडिंग टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 से हार मिली थी। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भी भारत 4-0 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली, जो सीरीज में उसकी सबसे बड़ी हार थी।इन दोनों सीरीज में श्रेयस अय्यर भारत के कप्तान थे। इसके बाद शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी 2-1 से हार गया।अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगा भारत-अब भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, हालांकि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को भी टीम में जगह मिली है।अफगानिस्तान के खिलाफ बुमराह टीम में शामिल-बुमराह ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 16 जुलाई को कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे से बाहर कर दिया गया था। बीसीसीआई ने बताया था कि उन्हें कार्डिफ में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। इसके चलते वह श्रीलंका के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल सके थे, जिसे भारत ने 1-0 से जीता था।

हमारे झगड़ों से परेशान है बेटा वो चुप उदास रहने लगा है, क्या पेरेंट्स की लड़ाई से बच्चे डिप्रेशन में जा सकते हैं

जयपुर। बिलकुल स्वाभाविक सी बात है लड़ाई से बच्चे डिप्रेशन में जा सकते हैं। पति-पत्नी के बीच कभी-कभार मतभेद होना सामान्य बात है। लेकिन अगर घर में रोज झगड़े होने लगें, आवाज ऊंची होने लगे और बच्चा बार-बार इन सबका गवाह बने, तब यह सिर्फ पति-पत्नी के बीच का मामला नहीं रह जाता। इसका असर पूरे परिवार और खासतौर से बच्चे की मेंटल-इमोशनल हेल्थ पर पड़ता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता शृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 37 साल की गृहिणी हूं। मेरे पति प्राइवेट नौकरी करते हैं और अक्सर काम का तनाव घर लेकर आते हैं। पिछले दो साल से हमारे बीच लगभग रोज किसी-न-किसी बात पर बहस, झगड़ा हो जाता है। हमारा 8 साल का बेटा झगड़ा शुरू होते ही अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लेता है। पहले वह बहुत हंसमुख था, लेकिन अब छोटी-छोटी बात पर डर जाता है और स्कूल जाने से भी कतराने लगा है। कभी-कभी कहता है, 'आप लोग फिर लड़ोगे क्या?' मुझे लगता है कि वह तनाव में रहने लगा है। क्या हमारे झगड़े उसकी मेंटल हेल्थ पर लॉन्ग टर्म असर डाल सकते हैं? अब हमें क्या करना चाहिए? बच्चे घर के भावनात्मक माहौल को गहराई से महसूस करते हैं। अगर घर में तनाव, लड़ाई-झगड़े हों तो इसका बच्चे की मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ता है। बच्चा स्ट्रेस में रहता है, जिससे पढ़ाई और सेहत, दोनों खराब होते हैं। बच्चे में दिख रहे बदलाव, आपके बेटे के व्यवहार में ये बदलाव दिख रहे हैं, डर जाना, स्कूल से बचना, झगड़ा शुरू होते ही अपने कमरे में बंद हो जाना-बार-बार पूछना कि 'आप लोग फिर लड़ोगे क्या?' ये सारे संकेत बताते हैं कि वह घर के तनाव को महसूस कर रहा है। बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। अपने डर, चिंता और असुरक्षा को वे अपने व्यवहार के जरिए दिखाते हैं। माता- पिता हैं बच्चे का सेफ्टी नेट-चाइल्ड साइकोलॉजी के अनुसार, बच्चे के लिए माता-पिता उसका सबसे सुरक्षित संसार होते हैं। जब वह संसार अस्थिर और तनावपूर्ण दिखने लगता है तो उसके भीतर 'सेफ्टी' की भावना कमजोर होने लगती है। वह हर समय सतर्क रहने लगता है कि अगला झगड़ा कब होगा। 1- हर समय डर में रहना। 2-एंजाइटी महसूस होना। 3-आत्मविश्वास कम होना। 4- पढ़ाई में मन न लगना। 5- स्कूल जाने से बचना। 6- दोस्तों से दूरी बनाना। 7- बच्चे में गुस्सा बढ़ना। 8- चिड़चिड़ापन बढ़ना। 9- रात में नींद न आना। 10- पेट दर्द, सिरदर्द की शिकायत। क्या हर झगड़ा बच्चे को नुकसान पहुंचाता है? नहीं। यह समझना बहुत जरूरी है। अगर पति-पत्नी किसी बात पर शांत तरीके से असहमति जताते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और बाद में समस्या का समाधान भी बच्चे के सामने दिखता है, तो बच्चा सीखता है कि मतभेद रिश्तों का सामान्य हिस्सा हैं। समस्या तब होती है, जब- माता-पिता के बीच रोज झगड़े हों। झगड़े में चिल्लाना, धमकाना, अपमान करना शामिल हो। उनके बीच कई दिनों तक तनाव बना रहे। बच्चा खुद को झगड़े की वजह मानने लगे। घर में हमेशा तनाव का माहौल रहे। ऐसे माहौल में बच्चा 'इमोशनल सर्वाइवल मोड' में रहने लगता है। उसका दिमाग पढ़ाई, खेल और सीखने की बजाय अपनी सुरक्षा पर ज्यादा फोकस हो जाता है। झगड़े को कैसे समझता बच्चे का ब्रेन? 8 साल की उम्र में बच्चा दुनिया को अभी भी काफी हद तक माता-पिता के नजरिए से देखता है। अगर वह रोज लड़ाई देखता है तो उसके मन में कई तरह के सवाल आते हैं- क्या मेरी वजह से झगड़ा हुआ? क्या मम्मी-पापा अलग हो जाएंगे? अगर वे अलग हो गए तो मैं किसके साथ रहूंगा? क्या मैं कुछ कर सकता हूं? ये स्ट्रेस बच्चे के भीतर डर पैदा कर सकता है। ये डर बच्चे शब्दों में नहीं बोल पाते। इसलिए उनके व्यवहार और कुछ संकेतों पर गौर करने की जरूरत है- बच्चे के इन संकेतों को इग्नोर न करें:- अचानक बहुत चुप हो जाना। छोटी-छोटी बातों पर रोना। स्कूल जाने से बचना। बच्चे को । बुरे सपने आना। बिस्तर गीला करना। मम्मी-पापा से चिपके रहना। पसंद की चीजों में रुचि कम होना। माता-पिता के लिए सबसे जरूरी बातः- अक्सर माता-पिता कहते हैं, 'हम बच्चे के सामने नहीं लड़ते' या 'उसे कुछ समझ नहीं आता।' असलियत यह है कि बच्चे सिर्फ शब्द नहीं सुनतेञ वे चेहरे के भाव, आवाज का उतार-चढ़ाव, कमरे का माहौल और शरीर की भाषा भी पढ़ लेते हैं। इसलिए अगर बच्चा डर रहा है तो उसकी भावना को 'ओवररिएक्शन' कहकर खारिज न करें। उसके डर को स्वीकार करना ही समाधान की शुरुआत है। इस स्थिति को कैसे संभालें? 1. झगड़े का तरीका बदलें:- मतभेद होना सामान्य है, लेकिन उसे संभालने का तरीका बदला जा सकता है। इसलिए आप आपस में कुछ बातें तय करें, जैसेकि- गुस्सा बढ़े तो बातचीत रोक दें। तय करें कि बच्चे के सामने बहस नहीं करेंगे। चिल्लाने की बजाय शांत आवाज में बात करें। एक-दूसरे का अपमान करने या ताने देने से बचें। 2. बच्चे को भरोसा दें:- अगर बच्चे ने झगड़ा देखा है तो बाद में उससे इस बारे में बात जरूर करें। उसे कहें- 'मम्मी-पापा की बहस हुई थी, लेकिन यह तुम्हारी गलती नहीं है। हम मिलकर इसे सुलझा रहे हैं और तुम सुरक्षित हो।' यह एक छोटा-सा वाक्य बच्चे के मन का बहुत बड़ा बोझ कम कर सकता है। यह तुम्हारी गलती नहीं है। हम मिलकर प्रॉब्लम सॉल्व कर रहे हैं। मम्मी-पापा तुमसे बहुत प्यार करते हैं। बड़े लोग कभी-कभी असहमत होते हैं। तुम सेफ हो। डरने की कोई बात नहीं। अगर तुम्हें डर लगे तो हमसे बात करना। 3. बच्चे की दिनचर्या सामान्य रखें-तनाव के समय नियमित दिनचर्या बच्चे को सुरक्षा का एहसास देती है। रूटीन जितना स्थिर रहेगा, बच्चा उतना सुरक्षित महसूस करेगा। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें- समय पर स्कूल, पर्याप्त नींद, साथ बैठकर खाना, रोज कुछ समय खेलना, स्क्रीन टाइम सीमित रखना, . रोज 15-20 मिनट सिर्फ बच्चे के लिए रखें। इसे बच्चे का 'स्पेशल टाइम' मानें। इस दौरान- मोबाइल दूर रखें। बच्चा जो खेलना चाहे, वही खेलें। उसे बीच में टोकें नहीं। सलाह देने की बजाय उसकी बातें सुनें। ऐसा समय बच्चे के भीतर दोबारा भरोसा बनाने में मदद करता है। 5. अगर माफी मांगी है तो उसे दिखाएं भी- बच्चे आप दोनों के बीच सिर्फ झगड़ा नहीं, बल्कि प्यार, दोस्ती और ख्याल भी देखें। अगर आकोप दोनों के बीच बहस हुई थी और बाद में आपने एक-दूसरे से सम्मानपूर्वक बात की या सामान्य व्यवहार किया, तो बच्चा सीखता है कि बहस से रिश्ते टूटते नहीं हैं। उन्हें बेहतर भी किया जा सकता है। घर में शांति बनाने के 9 नियमः-बच्चे के सामने चिल्लाने से बचें। कपल अपने लिए कुछ रूल्स बनाएं। एक-दूसरे पर आरोप न लगाएं। गुस्से में आवाज ऊंची न करें। एक-दूसरे की शिकायत ध्यान से सुनें। रोज 10 मिनट परिवार के साथ बिताएं। अपनी सेहत का ख्याल रखें। तनाव होने पर 20 मिनट का ब्रेक लें। जरूरत हो तो फैमिली काउंसलर से मिलें। चाइल्ड काउंसिलर की मदद कब जरूरी? अगर बच्चे में नीचे दिए बदलाव 4-6 हफ्तों से बने हुए हैं या बढ़ रहे हैं तो चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से मिलना बेहतर होगा- स्कूल जाने से लगातार इनकार। बार-बार घबराहट या डर। पढ़ाई में अचानक गिरावट। बहुत ज्यादा चुप या आक्रामक होना। नींद या भूख में बड़ा बदलाव। खुद को दोष देना। दोस्तों से पूरी तरह दूरी बना लेना। इसी तरह अगर पति-पत्नी के झगड़े लगातार बढ़ रहे हैं और दोनों उन्हें नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो मैरिज या फैमिली काउंसलिंग लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अंतिम बातः-बच्चों को ऐसे माता-पिता नहीं चाहिए, जो कभी गलती न करें।

उन्हें ऐसे माता-पिता चाहिए, जो गलती होने पर उसे स्वीकार करें, सम्मानपूर्वक सुलझाएं और बच्चे को यह भरोसा दिलाएं कि परिवार उसके लिए सुरक्षित जगह है। जब घर का भावनात्मक माहौल बेहतर होता है, तो अधिकांश बच्चों में डर, चिंता और असुरक्षा भी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

दावा- धोनी आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नहीं बनेंगे,पूर्व टीममेट बोले- विकेटकीपर के तौर पर रहना चाहते हैं, अगले सीजन में खेलने पर फैसला बाकी

स्पोर्ट डेस्क। एमएस धोनी आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलना चाहते हैं। वह फुलटाइम विकेटकीपर के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होना चाहते हैं। यह दावा बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स में उनके टीममेट रहे पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने किया। उन्होंने यूट्यूब वीडियो में दावा किया कि धोनी ने खुद उनसे यह बात कही कि वह पूरे 20 ओवर मैदान पर रहना चाहते हैं। धोनी 2026 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने एक भी मैच नहीं खेला था। 2027 सीजन में भी वे खेलेंगे या नहीं, इस पर धोनी या टीम की ओर से ऑफिशियल बयान अब तक नहीं आया है। बद्रीनाथ बोले- धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना ही सही- बद्रीनाथ ने

यह भी कहा कि धोनी का शरीर लंबे समय तक यह काम नहीं संभाल सकता। सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग भी इस बारे में कह चुके हैं। बद्रीनाथ ने कहा- 'धोनी 16वें ओवर के बाद ही बल्लेबाजी करने वाले हैं और विकेटकीपिंग भी करेंगे। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है, तो वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना ही सही होगा।' धोनी ने सीएसके को 5 आईपीएल ट्रॉफी जिताईं- धोनी पिछले कुछ सीजन से फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे हैं। धोनी ने सीएसके को पांच (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) आईपीएल खिताब जिताए हैं। उन्होंने 2024 सीजन से पहले कप्तानी छोड़ दी थी। धोनी ने 278 आईपीएल मैच खेले- आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी तीसरे नंबर पर हैं। वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन

बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं। आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान- धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। बद्रीनाथ ने 95 आईपीएल मैच खेले-बद्रीनाथ ने भारत के लिए 2008 से 2011 के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। उन्होंने अगस्त 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 7 वनडे में 79 रन बनाए। फरवरी 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट और जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना इकलौता टी-20 इंटरनेशनल खेला। उन्होंने 95 आईपीएल मैच खेले हैं।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक

आपस में सुनने की आदत एक ब्रेकडाउन को ब्रेकथ्रू बनाती है

कई दशक पहले की बात है, मेरे कजिन की शादी थी। हमारी पीढ़ी में यह पहली शादी थी। हम सब कजिन इतने उत्साहित थे कि मद्रास (अब चेन्नई) में इकट्ठा हुए और तैयारियों में जुट गए। लेकिन हमेशा हंसने और खुश रहने वाली कजिन, जिसकी पांच दिन बाद शादी थी, वह अचानक हमें अवॉइड करने लगी। वह हमेशा अपने टेलीफोन वाले कमरे में बंद रहती। हम उसे सताने लगे कि उसे प्रेम हो गया है। वह गुस्से और शर्म की मिलीजुली-सी प्रतिक्रिया देती। लेकिन जब नानाजी ने आकर हमें एक अलग कहानी बताई तो लगा कि हम गलत समझ रहे थे। उन्होंने कहा कि 'वह पीड़ा में है, उसे परेशान मत करो। वह स्कूल की पुरानी ट्रॉफियां और फोटो एलबम छांट रही है। नए घर के लिए चंद सूटकेसों में उन्हें समेट नहीं पा रही। तुम्हें उसे परेशान नहीं करना चाहिए। जाओ और पैकिंग में उसकी मदद करो। इसके अलावा वह पैरेंट्स का साथ छूटने और एक नया पार्टनर पाने के बीच असमंजस में भी है।' उस दिन नानाजी ने कमान संभाली। चूंकि मैं भाई-बहनों में सबसे बड़ा था तो उन्होंने मुझसे साथ आने को कहा और उसके कमरे में जाकर उससे एक घंटे बातचीत की। उन्होंने खूबसूरती से समझाया कि वह अब अपने परिवार के दायरे में नए लोगों को शामिल करने वाली है।उन्होंने कहा कि 'किसी नए इंसान से शादी का मतलब माता-पिता को खोना नहीं, बल्कि एक प्रोटेक्टेड बेटी की भूमिका से बढ़कर ऐसी पार्टनर बनना है- जो दोनों परिवारों की देखभाल कर सके।' उनकी आखिरी लाइन मैं कभी नहीं भूलूंगा। उन्होंने कहा कि 'शादी ?महज नए इंसान को पाना ही नहीं, बल्कि किसी पुराने इंसान को छोड़ना भी है। जैसे कि मैं, कोई और चीज या स्कूल के पुराने एलबम भी।' वह उनसे लिपट कर रो पड़ी। उन्होंने पांच मिनट तक उसे खुलकर रोने दिया। उसी दिन मैंने अचानक-से उसमें बदलाव देखा। उसका सामान अब महज दो सूटकेसों में सिमट गया। उसी शाम हंसती, खिलखिलाती वो वापस आ गई थी। यकीन मानिए, दशकों बाद नानाजी की वो गहरी सलाह मेरे काम आई, जब मैंने अपनी बेटी को उसी स्थिति में देखा। जब वह अपना ब्राइडल ट्रूजो चुन नहीं पा रही थी, तो मैंने उससे वही बात कही। वह अकसर अपनी मां के साथ बूटीक जाती, खूबसूरत लहंगे देखती और यह कहते हुए खाली हाथ लौट आती कि उसे ब्लू का सही शेड नहीं मिल रहा।

मुझे यह घटना तब याद आई, जब मैंने 10 फरवरी को ही जारी हुई किताब 'लव्स लेबर : हाउ टु ब्रेक एंड मेक द बॉन्ड्स ऑफ लव' में एक अच्छी शादी को लेकर बेहतरीन समझ को पढ़ा। इसमें प्रसिद्ध साइकोएनालिस्ट और लेखक स्टीफन ग्रोज ने 'सोफी' नाम के केन्द्रीय किरदार के इर्द-गिर्द प्यार, शादी, समझ और मिसअंडरस्टैंडिंग के अलग-अलग भावों पर बात की है। 40 से अधिक वर्षों तक मरीजों से हुई बातचीत के आधार पर वे यह बताते हैं कि जब हम सुनना सीखते हैं तो हमारी रिलेशनशिप हमें क्या सिखा सकती है। चूंकि वे पश्चिमी दुनिया से हैं, जहां शादियां अस्थिरताओं से गुजर कर तलाक तक पहुंच जाती हैं, तो वे बताते हैं कि जब हम अपने पार्टनर को सुनना सीख जाते हैं तो रिलेशनशिप हमें क्या सिखाती है। मसलन, अचानक से जब पति को उसका काम आनंद देने लगे तो कपल्स के बीच फ्रिक्शन शुरू हो सकता है। उनकी सलाह है कि काम के प्रति इस नए प्यार पर झगड़ने के बजाय दोनों को बात करनी चाहिए, क्योंकि 'रोमांस भी एक कार्य है और दोनों को इस पर भी कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।' फंडा यह है कि लेबर ऑफ लव जीवन भर का काम है। जब हम एक-दूसरे को ज्यादा सुनते हैं, तो इसका फल और भी मीठा हो जाता है। कभी-कभी कमियां भी सुननी चाहिए, क्योंकि इससे कई बार नया रास्ता भी निकल आता है।एन. रघुरामन

स्कूलों की हकीकत बयान कर रहे हैं 'जेन-अल्फा' के प्रदर्शन

'स्कूल ठीक करो' अभियान के चलते पहली बार हमें उस भयावह वास्तविकता का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके साथ देशभर के कई प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के विद्यार्थी हर दिन जीते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों की हालत इतनी खस्ता है कि स्कूली बच्चे- या कहें जेन अल्फा- हाल के सीजेपी-नेतृत्व वाले जेन-जी प्रदर्शनों से प्रेरित होकर सड़कों पर उतर आए हैं और टॉयलेट, पेयजल, कक्षाओं, पक्की सड़कों और सबसे बढ़कर शिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। जेन-अल्फा के विरोध-प्रदर्शन यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और बिहार तक पहुंच चुके हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक को लेकर जेन-जी ने देशभर के प्रमुख शहरों को ठप कर दिया था और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया था। इससे सरकार पहले ही बैकफुट पर थी। लेकिन स्कूली बच्चों का प्रदर्शन करना तो सरकार के लिए दुःस्वप्न जैसी स्थिति है। इन बच्चों पर पुलिस भी बलप्रयोग नहीं कर सकती। विडम्बना तो यह है कि सरकार का अपना आधिकारिक आंकड़ा ही ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की बदहाल स्थिति की तस्वीर पेश करता है। नीति आयोग के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि पिछले एक दशक में 94,000 से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं। इनमें अकेले यूपी के 26,000 स्कूल शामिल हैं। सरकारी स्कूलों को चलाए रखने के लिए घटते वित्तीय संसाधनों के अलावा, उच्च माध्यमिक स्तर पर

पढ़ाई छोड़ने की ऊंची दर का मतलब है कि कक्षाएं खाली हो रही हैं। करीब 73 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देते हैं। नीति आयोग के सर्वेक्षण में इस ऊंची ड्रॉप-आउट दर के कई कारण बताए गए हैं। जिन अभिभावकों की आर्थिक क्षमता है, वे अपने बच्चों को अपेक्षाकृत महंगे निजी स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, जहां शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होती है। जो ऐसा नहीं कर सकते, वे माध्यमिक स्तर पर अपने बच्चों को स्कूल से निकाल लेते हैं, क्योंकि सरकारी संस्थानों में भी यूनिफॉर्म, किताबों, परीक्षा शुल्क आदि जैसे खर्च हैं, जिन्हें वहन करना उनके लिए संभव नहीं होता। इसके विपरीत, प्राथमिक शिक्षा लगभग पूरी तरह निःशुल्क है। गरीब परिवारों पर आर्थिक दबाव भी ऐसे हैं कि बच्चों को परिवार की आय बढ़ाने के लिए स्कूल छोड़कर कामकाज में लगना पड़ता है। वर्ष 2020-21 के पीरियोडिक लेबर-फोर्स सर्वे में पाया गया कि 14 से 17 वर्ष उम्र के 31 प्रतिशत किशोर काम कर रहे थे, जबकि 25 प्रतिशत लड़कियों ने घरेलू कामों में अपनी मांओं की मदद करने के लिए पढ़ाई छोड़ दी थी। जहां केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का स्कूली बुनियादी ढांचे पर वार्षिक ट्रैकर एक बेहद अच्छी तस्वीर पेश करता है, वहीं राजस्थान सरकार के 2025 के एक सर्वेक्षण के अनुसार जमीनी हकीकत इससे अलग है। सर्वेक्षण में राज्य के हजारों स्कूल परिसरों में गंभीर संरचनात्मक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कमियों को उजागर किया गया है। मसलन, करीब 87,000 कक्षाएं जर्जर हालत में थीं, जिसके बाद न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ा और उनके इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई। राज्य के 64,000 स्कूलों में से 2,000 से अधिक में टॉयलेट्स नहीं थे, जबकि 1,000 से अधिक में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं थी। 600 से अधिक स्कूलों के पास अपने भवन तक नहीं थे और छात्रों को टिन की छतों के नीचे या पेड़ों के नीचे पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ता था। हाल ही में लखनऊ में सर्वोदय स्कूल की 250 छात्राओं ने शिक्षक की कमी और खराब सुविधाओं के खिलाफ भारी बारिश में भी विरोध-मार्च निकाला। गया में छात्रों ने खराब गुणवत्ता वाले मध्याह्न भोजन, खराब पड़े हैंडपंपों और गंदे टॉयलेट्स के विरोध में स्थानीय अधिकारियों के कार्यालयों तक मार्च किया। क्या यही वह युवा आबादी है, जिसे विकसित भारत के लिए हमारा डेमोग्राफिक डिविडेंड माना जा रहा है? जिला प्रशासन अब जेन-अल्फा द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए भाग-दौड़ कर रहा है। लेकिन लगता है कि जेन-अल्फा अब जेन-जी की ही तरह आगे बढ़ चुका है। और दोनों में से कोई भी पीढ़ी तब तक नहीं रुकेगी, जब तक सरकारें काम करना शुरू नहीं करतीं। जेन-अल्फा द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए अब गहमागहमी दिख रही है। लेकिन लगता है कि जेन-अल्फा, जेन-जी की ही तरह आगे बढ़ चुका है। और दोनों में से कोई भी पीढ़ी तब तक नहीं रुकेगी, जब तक सरकारें काम करना शुरू नहीं करतीं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

2030 की वर्कफोर्स का हिस्सा बनने के लिए आपको आज क्या करना होगा?

अमेरिका में जीई एप्लायंसेज के 1.1 मिलियन स्क्वायर फुट के कुकिंग-एप्लायंस प्लांट की असेंबली लाइन पर आपका सहकर्मी फिजिकल एआई का एक रूप हो सकता है। इसे दो पैरों वाला इंसान जैसा रोबोट समझने की भूल न करें। मैं इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और फिजिकल एआई की बात कर रहा हूं, जहां मशीनें महसूस करने, प्रतिक्रिया देने और जटिल फिजिकल टास्क पूरे करने में सक्षम हो रही हैं। छह-एक्सिस वाले रोबोटिक आर्म विशाल स्टोवों को पलटते हैं, ग्लास कुकटॉप को मेटल फ्रेम पर चिपकाते हैं और कंट्रोल बोर्ड को प्रोग्राम करते हैं। इंसान और मशीनें साथ में काम करते हुए हर 15 सेकंड में एक यूनिट बनाने की होड़ में लगे हैं। पूरा ऑपरेशन मॉनिटर किया जाता है और डेटा लगातार सिस्टम से मैनेजर्स तक पहुंचता रहता है, ताकि प्रोडक्टिविटी की हरेक संभावना का इस्तेमाल किया जा सके। आप सोच सकते हैं कि इसमें नया क्या है? कोई एनालिटिकल व्यक्ति तर्क दे सकता है कि मैन्युफैक्चरिंग, खासकर कम मार्जिन वाले कंज्यूमर-गुड्स बिजनेस के पास हाई-स्पीड प्रोडक्शन के अलावा कोई खास विकल्प है भी नहीं। हर 15 सेकंड में एक यूनिट बनाना शायद जरूरी है। और फिर इस एआई-डॉमिनेटेड माहौल में इंसान के लिए काम करना कितना दिलचस्प हो सकता है? लेकिन यह उतना भी उबाऊ नहीं, जितना आप सोच रहे हैं। आठ घंटे की शिफ्ट में किसी व्यक्ति को फास्ट और फोकस्ड रहना पड़ता है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसका जॉब बार-बार वही फिजिकल मूवमेंट दोहराना हो।ऊपर बताई फैक्ट्री को ही लें। अगर कैमरा कोई गड़बड़ पकड़ता है, जैसे गैस्केट सही जगह नहीं लगा, तो एआई-ड्रिवन इंस्पेक्शन सिस्टम तत्काल असेंबली लाइन रोक सकता है और रॉक म्यूजिक बजा कर इंसानी सुपरवाइजर्स को अलर्ट कर सकता है। इससे काम की प्रकृति पूरी तरह बदल जाती है। कर्मचारी अब कन्वेयर बेल्ट को बिना सोचे-समझे देखते रहने वाले लोग नहीं हैं। वे एक डायनेमिक सिस्टम के एक्टिव फर्स्ट रिस्पॉन्डर बन गए हैं। वे तेजी से 'रोबोट रैंगलर्स' बन रहे हैं- वे लोग जो रोबोटिक सेल्स की निगरानी करते हैं, सिस्टम पर नजर रखते हैं, तकनीकी गड़बड़ियां दूर करते हैं और मशीनों की परफॉर्मेंस को ऑप्टिमाइज करते हैं। बदलाव यह है कि अब रिपीटेटिव काम करने के बजाय इस काम को करने वाली टेक्नोलॉजी को मैनेज करना है। वो दिन लद गए, जब कर्मचारियों को घंटों तक भारी मेटल चेसिस उठानी पड़ती थी या थका देने वाले अजीब रिस्ट-मूवमेंट करने पड़ते थे। जब मशीनें फिजिकल स्ट्रेन का बड़ा हिस्सा संभाल लेती हैं तो इंसान ज्यादा मेंटली अलर्ट रह सकते हैं और समस्याओं को एनालाइज कर निर्णय करने पर ध्यान दे सकते हैं। आधुनिक प्लांट्स में फ्लेक्सिबिलिटी की भी ज्यादा जरूरत होगी। कर्मचारियों को अलग-अलग स्टेशनों और जिम्मेदारियों के बीच रोटेट किया जा सकता है। सुबह ऑटोमेटेड ग्लास-कुकटॉप असेंबली सेल संभालने वाला वर्कर दोपहर में ऑटोनॉमस मटेरियल-हैंडलिंग व्हीकल्स की निगरानी कर सकता है। यहीं पर 2030 का जॉब सिनेरियो दिलचस्प हो जाता है। अगर भविष्य की फैक्ट्री को टेक्नोलॉजी प्रॉब्लम सॉल्वर की जरूरत होगी तो आपको आज क्या करना चाहिए- यदि आप 2030 में ऐसी फैक्ट्रियों का हिस्सा बनना चाहते हैं तो।

1. एआई और ऑटोमेशन के बेसिक्स सीखें। आपको एआई साइंटिस्ट बनने की जरूरत नहीं, लेकिन यह समझना चाहिए कि सेंसर, मशीन विजन, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन सिस्टम और एआई-बेस्ड डिसीजन-मेकिंग कैसे काम करते हैं।

2. डेटा लिटरेसी विकसित करें। किसी फ्यूचर वर्कर को डैशबोर्ड पढ़ने, बेसिक स्टैटिस्टिक्स समझने, असामान्य पैटर्न पहचानने और डिसीजन लेने के लिए डेटा का इस्तेमाल करने में सहज होना होगा। अगर कोई मशीन कहती है कि कुछ गड़बड़ हुई है तो इंजीनियर का इंतजार करने के बजाय वर्कर को यह आना चाहिए कि उस जानकारी का मतलब क्या है।

अमेरिका समर्थक और विरोधी गुटों में संतुलन की चुनौती बड़ी

सोमवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन की बैठक के लिए मॉस्को में थे। उन्होंने पुतिन से भी मुलाकात की। इसी दौरान

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद के समाधान को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के 25वें दौर में शामिल होने बीजिंग जा रहे थे। हालांकि जयशंकर और डोभाल की मुख्य जिम्मेदारी द्विपक्षीय संबंधों के विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़ी है, लेकिन उन्हें 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स समिट की जमीन तैयार करने का दायित्व भी सौंपा गया है। यह बैठक महज औपचारिक नहीं होगी। वैश्विक अस्थिरता के दौर में ब्रिक्स देशों के सामने एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि अमेरिका ईरान के खिलाफ आर्थिक युद्ध की शुरुआत कर रहा है और ईरान ब्रिक्स का सदस्य है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा सामने रखी योजना का उद्देश्य ईरान की बची-खुची वित्तीय-लाइफलाइन को काट देना है। विदेशी बैंकों, कंपनियों और सरकारों से कहा गया है कि यदि वे ईरान से व्यापारिक-मौद्रिक संबंध बनाए रखते हैं, तो अमेरिकी सिस्टम तक उनकी पहुंच खत्म कर दी जाएगी। ईरान पहले ही गत 45 वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। उसने चेतावनी दी है कि आर्थिक युद्ध जारी रहने पर ईरान होर्मुज के जरिए तेल निर्यात को पूरी तरह रोकने के लिए मजबूर हो सकता है। अब तक ईरान के साथ भारत का काफी व्यापार यूएई के रास्ते होता रहा है, लेकिन यूएई भी अमेरिकी प्रयास में शामिल होगा। इससे ईरान को भारत के चावल, चाय और दवाओं के निर्यात पर असर पड़ सकता है। भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में रहा है, हालांकि 2018-19 के बाद से दोनों देशों के बीच व्यापार में 90 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और अब भारत का निर्यात मुख्यतः उन वस्तुओं तक सीमित है, जिन्हें प्रतिबंधों से छूट मिली हुई है। अमेरिकी पाबंदियों का सबसे बड़ा असर चीन पर पड़ सकता है, जो ईरान के समुद्री रास्ते से होने वाले तेल निर्यात का लगभग 80-90 प्रतिशत खरीदता है। कुछ मायनों में बीजिंग ही अमेरिकी कार्रवाई का मुख्य निशाना होगा।लेकिन अगर अमेरिका छोटी कंपनियों के बजाय चीन के बड़े वित्तीय संस्थानों पर प्रतिबंध लगाता है, तो दोनों देशों के बीच आपसी टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। भारत के विपरीत चीन के पास अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के साधन हैं। पिछले साल भी चीन ने रणनीतिक खनिजों के निर्यात पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद अमेरिका को उसके साथ समझौते की ओर बढ़ना पड़ा था। अन्य ब्रिक्स देशों को भी अमेरिकी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इसका निशाना ऐसे किसी भी देश या मध्यस्थ को बनाया जा रहा है, जो ईरान को वस्तुओं का व्यापार करने या वित्तीय प्रतिबंधों से बचने में मदद करता है। इस लिहाज से यह कदम अमेरिका और चीन-रूस के नेतृत्व वाले समूह के बीच टकराव को और गहरा करता है।

समस्या यह है कि ब्रिक्स अब धीरे-धीरे वैचारिक समूह की बजाय अलग-अलग और कभी-कभी परस्पर प्रतिस्पर्धी हितों वाले देशों के मंच में बदल गया है। यदि समूह ऐसा दस्तावेज जारी करता है, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना की जाए और डॉलर से दूरी बनाने की बात कही जाए, तो भारत असहज स्थिति में पड़ सकता है।

जयशंकर और डोभाल के सामने इसलिए बड़ी जिम्मेदारी है। मॉस्को और बीजिंग में उनकी बातचीत महज द्विपक्षीय कवायद नहीं है; यह ऐसे समय में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की कूटनीतिक तैयारियों का भी हिस्सा है, जब वैश्विक हालात बेहद अस्थिर हैं।

ब्रिक्स में चीन, रूस, ईरान जैसे अमेरिका-विरोधी देश शामिल हैं तो सऊदी अरब, मिस्र और यूएई भी हैं, जिनके अमेरिका से करीबी संबंध हैं। लेकिन भारत खुद को अमेरिका-विरोधी खेमे में दिखाना नहीं चाहेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मनोज जोशी)

हमारी जिंदगी में 'ह्यूमनॉइड्स' का 'तड़का' लगने लगा है

हमारी जिंदगी में ह्यूमनॉइड्स का भरपूर 'तड़का' हमारी सोच से भी जल्दी लगने वाला है। यह पहले से लग भी रहा है। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट अब सिर्फ फैक्ट्रियों, वेयरहाउस या लैब्स तक सीमित नहीं हैं। वे अब खेल जैसे क्षेत्र में भी कदम रख रहे हैं, जिसमें निर्विवाद रूप से इंसानों की बढ़त रही है। इस हफ्ते बीजिंग में हुए वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स के दूसरे संस्करण में 2 हजार से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोटों ने हिस्सा लिया। पांच दिनों तक चले इस आयोजन में 51 इवेंट हुए, जिनमें टेबल टेनिस, फुटबॉल और एथलेटिक्स शामिल थे। इसकी अहमियत का कारण रोबोटों का आपसी मुकाबला नहीं, बल्कि वो गति है, जिससे वो इंसानी शारीरिक क्षमताओं की नकल करने लगे हैं। इवेंट की रिपोर्टों में यह तक बताया गया कि ह्यूमनॉइड इंसानों के एथलेटिक रिकॉर्ड को चुनौती दे रहे हैं। इसमें उसेन बोल्ट का 100 मीटर स्प्रिंट रिकॉर्ड भी शामिल है। इस दौड़ को ह्यूमनॉइड रोबोट ने 9.39 सेकंड में पूरा कर जमैका के बोल्ट द्वारा 2009 में बनाया गया 9.58 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। एक्स-ह्यूमनॉइड कंपनी के रोबोट ने 14.5 मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम रफ्तार हासिल की। रोबोट गेम्स से तीन दिन पहले वित्तीय जगत ने भी एक और संकेत दिया कि यह तकनीक किस दिशा में जा रही है। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माता 'यूनिट्री रोबोटिक्स' ने शंघाई ट्रेडिंग डेब्यू में 460फीसदी की छलांग लगाई और कंपनी का बाजार मूल्य करीब 51 अरब डॉलर पहुंच गया। कंपनी के इस शानदार डेब्यू में ह्यूमनॉइड रोबोटिक्स को लेकर बड़ी उम्मीदें और इस क्षेत्र में चीन के ग्लोबल लीडर बनने की महत्वाकांक्षा प्रतिबिम्बित होती है। यूनिट्री के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के लिए सर्वाधिक ओवर-सब्स्क्रिप्शन हुआ। डेब्यू के दौरान कंपनी में हिस्सेदारी लेने के लिए 98 लाख निवेशकों ने आवेदन किया, लेकिन 5 हजार में से 1 से भी कम निवेशक ही सफल हो पाए। 'युशु टेक्नोलॉजी' के आधिकारिक नाम वाली इस कंपनी का नेतृत्व 36 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर वांग शिंगशिंग कर रहे हैं। इन दोनों घटनाओं को साथ रखें तो संदेश को नजरअंदाज करना मुश्किल है- ह्यूमनॉइड अब फैक्ट्री फ्लोर से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में आ रहे हैं। कई वर्षों तक मोटे तौर पर चर्चा यही थी कि रोबोट दोहराए जाने वाले कामों में इंसानों की जगह ले सकते हैं। हम रोबोट को कारें असेंबल करते, डिब्बे इधर-उधर ले जाते, फर्श साफ करते या खाना परोसते हुए देखते थे। लेकिन अगला चरण कहीं ज्यादा व्यापक हो सकता है। ह्यूमनॉइड्स अस्पतालों, घरों, होटलों, रिटेल स्टोर्स और ऑफिसों का हिस्सा बन सकते हैं। वे बुजुर्गों की मदद, खतरनाक काम, बच्चों की पढ़ाई, मेहमानों का मनोरंजन और इंसानों की सहायता जैसे काम कर सकते हैं। अब खेल में भी एक नई संभावना दिख रही है- मनोरंजन का क्षेत्र भी मशीनों के लिए प्लेग्राउंड बन सकता है। ऐसे भविष्य की कल्पना कीजिए, जिसमें ह्यूमनॉइड फुटबॉल लीग, रोबोट मैराथन या रोबोट बॉक्सिंग लोगों का प्राइम-टाइम एंटरटेनमेंट बन जाए। स्टेडियम मानव और मशीन का नहीं, बल्कि मशीनों का मशीनों से मुकाबला देखने के लिए भर सकते हैं, जिसमें इंसान अपने पसंदीदा रोबोट के लिए चीयर करें।

आज यह साइंस फिक्शन लग सकता है। लेकिन बीजिंग गेम्स बताते हैं कि यह साइंस फिक्शन कितनी जल्दी दर्शकों का खेल बन सकता है। इसलिए असली बदलाव सिर्फ यह नहीं कि ह्यूमनॉइड बेहतर रोबोट बन रहे हैं, बल्कि यह है कि वे उन जगहों पर पहुंचने लगे हैं, जिन्हें हम खासकर इंसानों की मानते थे। और यहीं हमारे सामने एक बड़ा सवाल आता है- जैसे-जैसे मशीनें इंसानों जैसी होती जाएंगी, क्या इंसान भी मशीनों जैसे हो जाएंगे? पहले ही हम खुद को स्पीड, इफिशियंसी, प्रोडक्टिविटी और परफॉर्मेंस के पैमाने पर माप रहे हैं और इन खूबियों में मशीनें तेजी से हमसे बेहतर हो रही हैं। असली चुनौती शायद ह्यूमनॉइड्स से उनके क्षेत्र में मुकाबले की नहीं, बल्कि उन मूल्यों को बचाने की है, जो हमें इंसान बनाते हैं- एम्पैथी, इमेजिनेशन, ह्यूमर, कम्पैशन, क्यूरोसिटी और बदले में कुछ मिलने की अपेक्षा के बिना केयर करने की क्षमता। जैसे-जैसे ह्यूमनॉइड चलना, दौड़ना, खेलना और एंटरटेन करना सीखते जाएंगे, हमें तय करना पड़ सकता है कि भविष्य में हमें मशीनों जैसा बनना है या जानबूझकर ज्यादा इंसान बने रहना है। फंडा यह है कि ह्यूमनॉइड्स का 'तड़का' अब लगने वाला नहीं है, बल्कि पहले ही लग चुका है। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि इस साल चीन का ह्यूमनॉइड्स शिपमेंट 50 हजार का होगा, जो 2030 तक बढ़कर 4.40 लाख से ज्यादा हो जाएगा। एन. रघुरामन

अब बातें करनी हों तो फोन उठाइए नहीं, उसे एक तरफ रख दीजिए

क्या आपको भी ऐसा लगता है कि कई बार आपसे बात करते वक्त सामने वाला व्यक्ति आपसे ज्यादा अपने फोन को देखता रहता है? घर में भी कोई व्यक्ति आपसे बात करते-करते ही अपने मोबाइल फोन में व्यस्त हो जाता है। इसके लिए एक शब्द ईजाद कर लिया गया है- 'फबिंग'। यह फोन और स्नबिंग (नजरअंदाज करना) से मिलकर बना है और यह आजकल सामाजिक रिश्तों और सम्प्रेषण पर गहरा असर छोड़ रहा है। शारीरिक रूप से मौजूद होकर भी भावनात्मक रूप से दूर रहने की यह प्रवृत्ति क्या बताती है? स्क्रॉल करती हुई उंगलियां और स्क्रीन में डूबी हुई आंखें यह यकीन नहीं कर पातीं कि उनके पास कोई और भी बैठा है, जो उनसे बात कर रहा है और उनका ध्यान चाहता है। आपके समक्ष ही किसी का अपने फोन में गुम हो जाना या बार-बार फोन देखते रहना यह बताता है कि यह छोटा-सा यंत्र अब सभी वार्तालापों और मुलाकातों पर हावी हो रहा है। फोन और एआई ने मिल-जुलकर हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल तो दिया ही है। नहीं तो यह किसने सोचा था कि घर, ऑफिस या क्लासरूम में भी फोन की उपस्थिति सभी पर भारी पड़ सकती है। हमें तो यह सिखाया जाता है कि जब कोई बात करे तो उस व्यक्ति को ध्यान और सम्मान से सुनना एक बुनियादी शिष्टाचार है। लेकिन यह भी सच है कि 'फबिंग' के दौर में कोई नहीं सोचता कि उसका यह व्यवहार किसी को हर्ट कर सकता है। और जब यह आदत घर से लेकर संस्थाओं तक आम हो जाए तो फिर समाज में व्यक्ति और उसके संबंध के भावनात्मक पहलू पर गहरी चोट लगती है। 'फबिंग' वस्तु नहीं व्यक्ति की अनदेखी कर एक 'न्यू नॉर्मल' सामाजिक व्यवहार बना देता है। हर व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई कहानियां जरूर होती हैं और रिश्तों में बातचीत उन कहानियों का ही हिस्सा होती है। चूंकि अपनी बात कहते वक्त कोई व्यक्ति पूर्ण रूप से खो जाता है तो वह यह भी चाहता है कि सामने वाला व्यक्ति भी उसके भावों और शब्दों पर इतनी ही तवज्जो दे, उसका ध्यान इधर-उधर न भटके।

आपने भी घरों में महसूस किया होगा कि बच्चे कई बार माता-पिता को सुनते वक्त अपना अधिकतर ध्यान फोन पर उस गतिविधि में लगाए रहते हैं, जो प्रायः बिल्कुल अनावश्यक होती है। तो क्या 'फबिंग' हमारी भावनात्मक कहानियों को भी बेजान कर देगा? शायद हां। हाल ही में एक अध्ययन हुआ, जिसमें पढ़ने वालों को छह लघु कहानियां दी गईं। उसमें से तीन कहानियां इंसानों ने लिखीं और तीन चैटजीपीटी की बनाई हुई थीं। एआई के द्वारा लिखी गई कहानियों की थीम भी इंसानों वाली कहानियों जैसी ही थी। लेकिन जब पाठकों को रोचकता के आधार पर उन कहानियों को रेट करने को कहा गया तो एआई से बनी कहानियों को ज्यादा रेटिंग मिली। यह पैटर्न बताता है कि सामाजिक सम्प्रेषण में 'फबिंग' के आ जाने ने रिश्तों और उनकी कहानियों के भावनात्मक पक्ष को कमजोर कर दिया है। और यह भी कि हमारे पूर्वजों ने गर्दन को सीधी करके ही सभ्यताओं के विकास की कहानी को अंजाम दिया था। लेकिन हमारे दो आजाद हाथ अब फिर से बंध चुके हैं और सीधी गर्दन फोन को निहारती हुई फिर से झुक चुकी है। आजाद कराने की कोशिश कीजिए खुद को और उनको जो इस फेर में सबकुछ को नजरअंदाज कर परतंत्र बने हुए हैं। अगर कोई फोन में व्यस्त होकर आपको नजरअंदाज कर भी रहा हो तो उनके प्रति कोई 'फबिंग' का भाव न रखिए। उनसे बातें करने की कोशिश करते रहिए। तभी घरों में, संस्थाओं में फोन से रिहा आंखें, कान और मन मनुष्यत्ता को 'फबिंग' के ग्रहण से बचाएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदितेश निलय)

पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी, प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की

नयी दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्तमान ने रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली

है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अभिनंदन अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन एफएलवाई-91 से जुड़ गए हैं। यहां वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह उनके करियर की नई पारी है। अभिनंदन 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी फाइटर जेट एफ-16 गिराने के बाद सुर्खियों में आए थे। इस दौरान उनका एमआईजी-21 मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके यानी पीओके में उतरना पड़ा। पाकिस्तान ने करीब 60 घंटे हिरासत में रखने के बाद 1 मार्च 2019 को उन्हें भारत को सौंप दिया था। सवालः एयरफोर्स से रिटायर पायलट एयरलाइन में कैसे काम कर सकते हैं? जवाबः एयरफोर्स से रिटायर पायलट सिविल एविएशन में जा सकते हैं। इसके लिए उन्हें डीजीसीए के नियमों के मुताबिक सिविल पायलट लाइसेंस, जरूरी ट्रेनिंग और मेडिकल फिटनेस की शर्तें पूरी करनी होती हैं। सैन्य उड़ान का अनुभव इसमें काम आता है। सवालः क्या एयरफोर्स का पायलट सीधे एयरबस या बोइंग उड़ा सकता है? जवाबः नहीं। एयरबस, बोइंग या किसी खास विमान को उड़ाने के लिए उसकी टाइप रेटिंग और जरूरी ट्रेनिंग पूरी करनी होती है। सैन्य उड़ान अनुभव को डीजीसीए के नियमों के तहत सिविल लाइसेंसिंग में मान्यता मिल सकती है। सवालः एयरलाइन पायलट कितनी उम्र तक उड़ान भर सकता है? जवाबः भारत में कमर्शियल एयर ट्रांसपोर्ट में पायलट की अधिकतम उम्र 65 साल है। 60 से 65 साल की उम्र में मल्टी-क्रू ऑपरेशन की शर्त लागू होती है और साथ उड़ने वाला दूसरा पायलट 60 साल से कम उम्र का होना चाहिए। 65 साल के बाद कमर्शियल एयर ट्रांसपोर्ट में पायलट के तौर पर उड़ान नहीं भर सकते। सवालः एयरलाइन में नौकरी के लिए और क्या जरूरी है? जवाबः पायलट को जरूरी लाइसेंस और मेडिकल फिटनेस बनाए रखनी होती है। जिस विमान को उड़ाना है, उसकी संबंधित योग्यता भी जरूरी है। इसके अलावा एयरलाइन अपनी भर्ती और सेवा से जुड़ी अलग शर्तें तय कर सकती हैं। पुलवामा हमले के बाद शुरू हुआ था ऑपरेशन- 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके अगले दिन कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एलओसी की ओर बढ़ा। उस समय अभिनंदन श्रीनगर एयरफोर्स स्टेशन पर एमआईजी-21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात थे। वह ऑपरेशनल रेडीनेस मुताबिक, उन्होंने पीछे हट रहे एक दुश्मन विमान का पीछा किया और हवाई लड़ाई में उसे मार गिराया। एमआईजी-21 पर हमले के बाद पैराशूट से पाकिस्तान में उतरे अभिनंदन-हवाई लड़ाई के दौरान पाकिस्तानी विमान ने कई बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दागीं। इनमें से एक मिसाइल अभिनंदन के विमान से टकराई। विमान को नुकसान पहुंचने के बाद अभिनंदन ने इजेक्ट किया। वह पैराशूट से पाकिस्तान के इलाके में उतरे, जहां उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया। हालांकि, 1 मार्च 2019 को अभिनंदन पाकिस्तान से सुरक्षित भारत लौट आए थे। बहादुरी के लिए अभिनंदन को वीर चक्र मिला- इस कार्रवाई के लिए अभिनंदन को 2021 में वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वीर चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है।

भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित प्रशस्ति-पत्र के मुताबिक, अभिनंदन ने पाकिस्तानी विमानों की संख्या और तकनीकी बढ़त के बावजूद उनका साहस के साथ मुकाबला किया। उनके आक्रामक रवैये से दुश्मन के विमानों की रणनीति गड़बड़ा गई।

आसिम मुनीर ने गुपचुप 'तख्तापलट' कर दिया, कैसे पाकिस्तान में सबसे ताकतवर बने

इस्लामाबाद। सीडीएफ नेशनल सिक्योरिटी और डिफेंस शख्स कैसे बन गए? जवाबः मुनीर के पिता सैयद सरवर मुनीर उसके बाद इस्लामाबाद की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी से

के मामलों में पीएम के प्रमुख सलाहकार होंगे। सरकार और सीडीएफ सेना से जुड़े कानूनों में बदलाव भी कर सकते हैं। नेशनल कमांड अथॉरिटी एक्ट, 2026 के तहत 2 ताकतें-सीडीएफ मुनीर के पास परमाणु हथियारों का कंट्रोल बढ़ जाएगा। इससे पहले पाकिस्तानी आर्मी चीफ न्यूक्लियर हथियारों की नेशनल कमांड अथॉरिटी के मेंबर होते थे। इसकी अध्यक्षता पीएम के जिम्मे होती है। सीडीएफ को राष्ट्रपति के बराबर कानूनी सुरक्षा मिलेगी, यानी पूरी जिंदगी कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। यानी आसिम मुनीर तीनों सेनाओं के प्रमुख हैं, न्यूक्लियर हथियारों से जुड़े फैसले लेने की भी ताकत है। सैन्य अफसरों से जुड़ा हर फैसला भी निर्णायक रूप से वही लेंगे और सबसे बड़ी बात- मुनीर पर कोई मुकदमा नहीं चल सकता। तो आख़िर मदरसे में पढ़े मुनीर पाकिस्तान के सबसे ताकतवर 1947 में पंजाब के जालंधर से पलायन कर पाकिस्तान पहुंचे थे। वो रावलपिंडी के मशहूर एफजी टेक्निकल स्कूल के हेडमास्टर बने। साथ ही मस्जिद में इमामत करते और इस्लामिक उपदेश देते। गहरे धार्मिक झुकाव वाले इस घर में 1968 में आसिम मुनीर का जन्म हुआ। पाकिस्तानी जर्नलिस्ट एजाज सैयद के मुताबिक, घर वाले चाहते थे कि आसिम कुरआन हिफ्ज करे। मुनीर सातवीं तक मदरसे में पढ़े और कुरआन रटी। फिर कुछ दिन एफजी टेक्निकल स्कूल पढ़ने गए। इसके बाद रावलपिंडी के सर सैयद कॉलेज गए, जहां से पूर्व आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा ने पढ़ाई की थी। क्रिकेट के शौकीन मुनीर कॉलेज के दिनों में तेज गेंदबाज थे। स्कूल के बाद मुनीर ने जापान के फूजी स्कूल, क्वेटा के कमांड एंड स्टाफ कॉलेज और मलेशिया के आर्म्ड फोर्सेज कॉलेज से पढ़ाई की। पब्लिक पॉलिसी और स्ट्रेटेजिक सिक्योरिटी मैनेजमेंट में मास्टर्स किया। 25 अप्रैल 1986 को मुनीर को पाकिस्तान आर्मी में के फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट की 23वीं बटालियन में पहली तैनाती मिली। जब मुनीर लेफ्टिनेंट कर्नल बने, तो उन्हें सऊदी अरब में पाकिस्तानी दूतावास में तैनाती मिली। वहां मुनीर को महसूस हुआ कि वे कुरआन भूल रहे हैं। ऐसे में लगातार 3 साल वह छुट्टियों में घर नहीं गए और इस दौरान दोबारा कुरआन रटी। इसके बाद आसिम सियाचिन ग्लेशियर में भी रहे।

आसिम का काफी वक्त पाकिस्तान के कब्जाए कश्मीर यानी पीओके में भी गुजरा।

फिर 2014 में मेजर जनरल, 2016 में पाकिस्तान के मिलिट्री इंटेलिजेंस के डायरेक्टर जनरल और सितंबर 2018 में लेफ्टिनेंट जनरल की पोस्ट तक पहुंचे।

भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं,तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो

वॉशिंगटन/बिश्केक। इसमें चावल, चाय, दवाएं और मेडिकल मशीनरी शामिल थीं। चाबहार भारत के लिए अहमः-ईरान भारत

के लिए सिर्फ एक बाजार नहीं है। चाबहार पोर्ट भारत को ईरान और आगे मध्य एशिया से जोड़ने वाला अहम रास्ता है। भारत ने 2024 में चाबहार के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल के संचालन के लिए ईरान के साथ लंबे समय का समझौता किया था। नई ट्रेड डील से ज्यादा जरूरी मौजूदा कारोबारः-31 अगस्त 2026 को मोदी और पजास्कियान की मुलाकात में दोनों देशों के रिश्तों और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। आधिकारिक बयान में किसी नई ट्रेड डील की घोषणा नहीं हुई। ऐसे में अभी बड़ा सवाल यह है कि मौजूदा रु15,960 करोड़ के कारोबार को कैसे जारी रखा जाए और आगे बढ़ाया जाए। अमेरिका की ईरान पर बढ़ती पाबंदियों का असर भारतीय निर्यात, शिपिंग और चाबहार से जुड़े कारोबारी हितों पर पड़ सकता है। यानी भारत के लिए चुनौती सिर्फ नई ट्रेड डील की नहीं, बल्कि मौजूदा कारोबार को बनाए रखने की भी है। अमेरिका का ईरान की कमाई के 5 रास्तों पर बैन- दरअसल, अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था के 5 अहम क्षेत्रों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। जिनका इस्तेमाल ईरान दूसरे देशों में अपनी आर्थिक गतिविधियों के लिए करता है। इनमें डिजिटल एसेट्स (जैसे क्रिप्टोकरेंसी), टेक्नोलॉजी, सोना, एविएशन और शिपिंग सेक्टर शामिल हैं। अमेरिका इन क्षेत्रों के जरिए ईरान की कमाई और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को रोकना चाहता है। यानी अगर कोई देश इन क्षेत्रों में ईरान के साथ ऐसा कारोबार करता है जिससे उसे पैसा या आर्थिक फायदा मिलता है। तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है या उसे अमेरिकी डॉलर की वित्तीय व्यवस्था से बाहर कर सकता है। अमेरिका बोला- अब ईरान के पास सिर्फ दो रास्ते बचे-अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि हमने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। यह ईरान और उसके सहयोगी देशों के खिलाफ एक अभियान है। ईरान के सामने अब सिर्फ दो रास्ते हैं। पहला- पूरी तरह से दुनिया से अलग-थलग पड़ना और गुजारे लायक अर्थव्यवस्था। दूसरा- फिर से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ना और वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से शामिल होने का मौका पाना। भारत की 4 कंपनियों पर भी प्रतिबंध- अमेरिका ने ईरान से तेल और पेट्रोकेमिकल कारोबार के आरोप में भारत की 4 कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, इन कंपनियों ने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदने या भारत लाने में भूमिका निभाई। इनमें पोर्टीज पार्टनर्स, सदाशिवा ओवरसीज, पीपी सॉफ्टटेक और प्रकृति इंफ्रा इम्पेक्स इंडिया शामिल हैं। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की तेल से होने वाली कमाई रोकने और उसके कारोबार से जुड़े नेटवर्क पर दबाव बढ़ाने के लिए की गई है।

रूस-यूक्रेन ने काले सागर में 300 जहाजों पर हमले किए, दुनिया में गेहूं-मक्का महंगा होने का खतरा

मॉस्को। अगर मौजूदा हालात लंबे समय तक जारी रहे तो सूरजमुखी तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से दुनिया के दूसरे

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मक्का की सप्लाई भी प्रभावित हो सकती है।ब्लैक सी क्यों है इतना अहम? ब्लैक सी दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। रूस और यूक्रेन से गेहूं, मक्का और देशों तक पहुंचता है। दोनों देश मिलकर वैश्विक गेहूं निर्यात का करीब 30फीसदी हिस्सा रखते हैं। इसलिए ब्लैक सी में सैन्य तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय खाद्य बाजार पर पड़ सकता है। 2022 में भी बढ़ी थीं खाद्य कीमतें- 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद ब्लैक सी से अनाज निर्यात बाधित हुआ था। उस समय दुनिया भर में खाद्य कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई थी। बाद में संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये की मध्यस्थता से ब्लैक सी ग्रेन डील लागू हुई। इससे लाखों टन अनाज अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच सका। अब ब्लैक सी में फिर जहाजों और बंदरगाहों पर हमले बढ़ने से वैश्विक खाद्य आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। अगर समुद्री रास्ता लंबे समय तक प्रभावित रहा तो गेहूं, मक्का और खाद्य तेल की कीमतों में नई तेजी आ सकती है। इसका असर उन देशों पर ज्यादा पड़ सकता है जो रूस और यूक्रेन से होने वाले अनाज निर्यात पर निर्भर हैं।

टीएमसी दफ्तर में सुबह 4:30 बजे तोड़फोड़ का आरोप, अभिषेक बोले- बीजेपी के लोग हथियारों के साथ घुसे

कोलकाता। उन्होंने हमलावरों की गिरफ्तारी और जवाबदेही तय करने की मांग की। बनर्जी चर्चा में बने रहने के लिए घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। इसी दफ्तर को लेकर पहले

ने बंगाल के राज्यपाल, केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय से भी मामले में कार्रवाई की अपील की। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट से भी घटना का संज्ञान लेने की मांग की। अभिषेक बोले- सीएम शुभेंदु को इस्तीफा दे देना चाहिए-अभिषेक ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाते हुए सवाल किया कि टीएमसी के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में विपक्ष के साथ हिंसा, तोड़फोड़ और डराने-धमकाने के जरिए ऐसा ही व्यवहार किया जाना है, तो मुख्यमंत्री के पास पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। बीजेपी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया-बीजेपी ने टीएमसी के आरोपों को खारिज कर दिया है।

बारानगर से बीजेपी विधायक सजल घोष ने कहा कि इस घटना में उनकी पार्टी का कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं था। उन्होंने उल्टा सवाल उठाया कि इतनी सुबह टीएमसी के लोग कार्यालय में क्यों मौजूद थे और आरोप लगाया कि राजनीतिक से चल रहा है विवाद-कैमक स्ट्रीट स्थित टीएमसी ऑफिस पिछले कुछ दिनों से टीएमसी और बीजेपी के बीच राजनीतिक टकराव का केंद्र बना हुआ है। पिछले हफ्ते 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम के अधिकारी पुलिस के साथ यहां पहुंचे थे और परिसर में लगे टीएमसी के एक बड़े बोर्ड को हटाने की कोशिश की थी।

नगर निगम का आरोप था कि यह बोर्ड बिना अनुमति लगाया गया था और इससे सुरक्षा को खतरा हो सकता था। कार्रवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं पर नगर निगम की टीम का रास्ता रोकने का आरोप लगा।

अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने सरकारी काम में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किए।

इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारियों ने बिल्डिंग का निरीक्षण किया।अधिकारियों ने भवन के स्वीकृत नक्शे से संभावित अंतर और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ खामियां मिली थीं और इस संबंध में टीएमसी को नोटिस जारी किए जाने की संभावना है।

अमेरिका में 1 डॉलर के सिक्के पर ट्रम्प की बनी तस्वीर, एक सिक्का 230 रुपए तक बिका- हुआ आउट ऑफ स्टॉक

वॉशिंटन।बिक्री शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद ही वेबसाइट सिक्के पर दिखाई गई थी। उस समय राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज का पोर्ट्रेट नहीं हो सकता। ट्रम्प की तस्वीर सिक्के के आगे वाले

पर लोगों को वेटिंग एरिया में भेजा जाने लगा। वहां करीब 1 घंटे का वेटिंग टाइम बताया गया। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक एक परिवार अधिकतम 2 खरीदारी कर सकता था। अमेरिकी मिंट ने बताया कि 2.5 लाख सिक्कों को खास '4 जुलाई' निशान के साथ रैंडम तरीके से रोल और बैग में रखा गया है। ये सिक्के 4 जुलाई को बनाए गए थे। अमेरिका में इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। 1926 के बाद पहली बार जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर- अमेरिकी मिंट के मुताबिक, इससे पहले किसी जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर 1926 में की तस्वीर अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर जारी आधे डॉलर के सिक्के पर लगाई गई थी।अमेरिकी कानून के तहत किसी जीवित राष्ट्रपति या जीवित पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीर सिक्के पर लगाना प्रतिबंधित है। हालांकि, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए कांग्रेस ने सर्कुलेटिंग कलेक्टिबल कॉइन रीडिजाइन एक्ट पास किया। इसके तहत ट्रेजरी को इस अवसर पर खास डॉलर1 के सिक्के जारी करने की अनुमति मिली। कानून में यह भी कहा गया है कि सिक्के के पीछे वाले हिस्से पर किसी जीवित व्यक्ति हिस्से पर है, इसलिए इसे कानून के मुताबिक माना गया है। ट्रम्प की तस्वीर वाले 250 नोट की भी तैयारी-अमेरिका में ट्रम्प की तस्वीर वाला 250 डॉलर का नोट जारी करने की तैयारी भी चल रही है। इसके लिए अमेरिकी करेंसी छापने वाली एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंग्रेविंग एंड प्रिंटिंग को डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रम्प की तस्वीर वाले 250 डॉलर के नोट का प्रस्ताव पिछले साल साउथ कैरोलिना के रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन ने पेश किया था। फरवरी 2025 में इस बिल को हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के पास भेजा गया था।

ट्रम्प की जन्मजात नागरिकता रोकने की दूसरी कोशिश नाकाम, कोर्ट ने अब बर्थ टूरिज्म बैन करने वाला आदेश रोका

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की एक अदालत ने राष्ट्रपति ट्रम्प के 6 अगस्त के आदेश पर रोक लगा दी है। इसमें कुछ खास मामलों में अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों की जन्मसिद्ध नागरिकता रोकने की बात कही गई थी। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' पर भी रोक लगाने की बात थी। यानी बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के मकसद से अमेरिका आकर बच्चे को जन्म देना। इसके अलावा विदेशी सरकारों से जुड़े लोगों के बच्चों और नागरिकता हासिल करने के लिए धोखाधड़ी या पैसों के लेन-देन वाले मामलों को भी इसमें शामिल किया गया था। मैरीलैंड की फेडरल कोर्ट ने बुधवार को आदेश पर अस्थायी रोक लगाते हुए कहा कि यह संविधान में मिले जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार के खिलाफ हो सकता है। प्रवासी अधिकार संगठनों ने ट्रम्प के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी। अमेरिका में बर्थराइट सिटीजनशिप विवाद की टाइमलाइन- 20 जनवरी 2025: राष्ट्रपति पद संभालते ही ट्रम्प ने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाया। उनके आदेश का निशाना ऐसे बच्चे हैं, जिनके माता-पिता अमेरिकी नागरिक या स्थायी निवासी नहीं हैं। जनवरी 2025: प्रवासी संगठनों और कई राज्यों ने इस आदेश को कोर्ट में चुनौती दी। निचली अदालतों ने ट्रम्प के आदेश पर रोक लगा दी।27 जून 2025: सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प को थोड़ी राहत दी। ट्रम्प के नागरिकता वाले आदेश पर लगी

देशभर में लगी रोक हटा दी गई। हालांकि कोर्ट ने यह नहीं माना कि जन्म के आधार पर नागरिकता खत्म करना सही है। 30 जून 2026: सुप्रीम कोर्ट ने जन्म के आधार पर नागरिकता खत्म करने के मुद्दे पर ट्रम्प के खिलाफ फैसला दिया। 6 अगस्त 2026: सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ट्रम्प एक नया आदेश लेकर आए। इस बार उन्होंने 'बर्थ टूरिज्म' यानी बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के लिए अमेरिका आकर प्रसव कराने वाले मामलों समेत कुछ खास स्थितियों में नागरिकता रोकने की कोशिश की। सितंबर 2026: प्रवासी संगठनों ने नए आदेश को भी कोर्ट में चुनौती दी। मैरीलैंड की फेडरल कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी।ट्रम्प के पुराने और नए आदेश में क्या फर्क था? जनवरी 2025 का आदेश ज्यादा बड़ा था। ट्रम्प ने अमेरिका में पैदा होने वाले उन बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से रोकने की कोशिश की थी, जिनके माता-पिता अमेरिकी नागरिक या ग्रीन कार्ड धारक नहीं हैं। यानी इसका असर गैरकानूनी तरीके से रह रहे लोगों के साथ-साथ कुछ अस्थायी वीजा पर अमेरिका में रहने वाले माता-पिता के बच्चों पर भी पड़ता। अगस्त 2026 का नया आदेश ज्यादा सीमित है। इसमें हर गैर-अमेरिकी माता-पिता के बच्चे की नागरिकता रोकने की बात नहीं है। इसमें कुछ खास मामलों को निशाना बनाया है। इनमें बर्थ टूरिज्म, विदेशी सरकार के कर्मचारियों के बच्चे, कुछ दुश्मन देशों में रहने वाले मामलों और धोखाधड़ी या पैसे देकर नागरिकता हासिल करने की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। जज बोलीं- नागरिकता रोकने का अधिकार नहीं- जज बोर्डमैन ने कहा कि ट्रम्प का आदेश संविधान के खिलाफ हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि इस मामले में आने वाले बच्चे जन्म से अमेरिकी नागरिक हैं। अदालत के आदेश के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा विभाग और सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन फिलहाल इस मामले से जुड़े बच्चों की नागरिकता रोकने की कार्रवाई नहीं कर सकेंगे।

नेपाल से 55किमी दूर तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप, एक हफ्ते पहले बाढ़-भूस्खलन से तबाही मची थी, अब तक 1273 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप

जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में अब तक कुल 1273 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1252 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है।

प्रीति जिंटा बोलीं- मैंने रोज 18 घंटे काम किया, दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे शिफ्ट के लिए छोड़ी थी फिल्म-मेल एक्टर्स पर सवाल उठाया था

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में काम के लंबे घंटों और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ किया है। मुंबई में अपनी आने वाली एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रीति जिंटा ने खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान रोजाना 18 घंटे तक काम किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'हर किसी की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं' और उन्होंने भारत में अपने कम समय के दूर और अमेरिका में बच्चों के पास जल्दी लौटने के लिए खुद यह लंबा शेड्यूल चुना था। 'बच्चों के पास लौटने के लिए 18 घंटे काम किया'- ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब मीडिया ने प्रीति जिंटा से सेट पर लंबे वर्किंग आवर्स के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने बताया कि लंबे समय तक शूटिंग करना मुश्किल जरूर था, लेकिन यह उनका अपना व्यक्तिगत फैसला था। 50 साल की प्रीति जिंटा ने कहा, सबकी अपनी पसंद और जरूरतें होती हैं। बेशक, मैंने 18 घंटे तक काम किया क्योंकि मैं अपना काम जितनी जल्दी हो सके खत्म करके अमेरिका वापस अपने बच्चों के पास जाना चाहती थी। मेरा फोकस सिर्फ यही था कि मैं भारत आऊंगी, अपना काम तेजी से पूरा करूंगी और तुरंत लौट जाऊंगी। मैं यहां 30 से 40 दिनों के समय के लिए आई थी। इसलिए मुझे इतनी लंबी शिफ्ट में काम करने में दिक्कत या आपत्ति नहीं थी। प्रीति ने यह भी बताया कि इस फिल्म में उन्होंने कई कठिन एक्शन सीन खुद किए हैं, जिसके लिए लगातार लंबे शोज और शारीरिक मेहनत की जरूरत थी।दीपिका पादुकोण की थी 8 घंटे की शिफ्ट की मांग-फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग आवर्स का यह विवाद असल में तब शुरू हुआ था, जब एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' (प्रभास स्टारर) और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से अलग होने की खबरें सामने आई थीं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि मां बनने के बाद दीपिका ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी। मेकर्स के साथ काम के घंटों और

फीस को लेकर सहमति न बन पाने के कारण दीपिका इन प्रोजेक्ट्स से हट गईं। इसके बाद सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में इस बात को लेकर बहस छिड़ गई कि क्या भारतीय सिनेमा में तय वर्किंग टाइम लागू होना चाहिए या नहीं। मेल सुपरस्टार्स पर दीपिका का बयान जब दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्किंग डिमांड पर विवाद बढ़ा, तो उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दोहराव वाले रवैये पर खुलकर बात की। दीपिका ने सीएनबीसी-टीवी18 को दिए इंटरव्यू में कहा था, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई मेल सुपरस्टार्स सालों से सिर्फ 8 घंटे ही काम करते आ रहे हैं। वे सोमवार से शुक्रवार तक 8 घंटे काम करते हैं और वीकेंड्स पर काम नहीं करते। लेकिन जब कोई महिला अपने लिए 8 घंटे की शिफ्ट मांगती है, तो इसे हेडलाइन बना दिया जाता है। अक्षय कुमार करते हैं 8 घंटे काम-इसी दौरान एक्टर अभिषेक बच्चन का एक पुराना वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे 'द कपिल शर्मा शो' में अक्षय कुमार के वर्किंग स्टाइल के बारे में बता रहे थे। अभिषेक ने कहा था, पैकअप का ऐलान होते ही सबसे ज्यादा खुश अक्षय कुमार होते हैं। वे 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं करते। सुबह 7 बजे सेट पर आते हैं और तुरंत अपना काम शुरू कर देते हैं। सुनील शेट्टी ने कहा 18 घंटे काम प्रोडक्टिव नहीं-वर्किंग आवर्स की इस बहस में एक्टर सुनील शेट्टी ने भी अपनी बात रखी थी।

लता मंगेशकर के परिवार से थीं युवती जिनसे शक्ति कपूर ने भागकर की थी शादी,शादी के बाद अखबार में छपा- 3 महीने में तलाक हो जाएगा

मुंबई। कई सुपरहिट फिल्मों में विलेन और कॉमेडियन का रोल प्ले करने वाले शक्ति कपूर आज 74 साल के हो गए। तकरीबन 700 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके शक्ति का एक्टिंग करियर बेहद सफल रहा। उनकी पर्सनल लाइफ की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प है। शक्ति ने शिवांगी कोल्हापुरे से शादी की थी। दोनों की मुलाकात फिल्म 'किस्मत' के दौरान हुई थी। कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि शिवांगी को देखकर उन्हें वह पहली नजर में ही बेहद खूबसूरत लगी थीं। उन्होंने शिवांगी से हल्की-सी लाइन भी मारी और मन ही मन तय कर लिया था कि शादी करेंगे तो इसी मराठिन से करेंगे। फिर दोनों की मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई। परिवार रिश्ते के खिलाफ था- जब दोनों की मुलाकात हुई थी, तब शक्ति कपूर करीब 30 वर्ष के थे और शिवांगी महज 18 साल की थीं। इसके अलावा, शक्ति कपूर फिल्मों में अक्सर विलेन के रोल निभाते थे। इसी वजह से शिवांगी के माता-पिता इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। जब दोनों ने शादी की बात की, तो शिवांगी के परिवार ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया था। परिवार को मनाने के सारे रास्ते बंद होने के बाद

शिवांगी ने घर से भागकर शक्ति कपूर के साथ शादी करने का फैसला किया। 1982 में की कोर्ट मैरिज-साल 1982 में दोनों ने भागकर कोर्ट मैरिज कर ली। शुरुआत में शक्ति कपूर का परिवार भी थोड़ा हिचकिचा रहा था, लेकिन जब उन्हें पता चला कि शिवांगी मशहूर गायिका लता मंगेशकर के परिवार से ताल्लुक रखती हैं, तो वे मान गए। शादी के बाद शिवांगी के माता-पिता कई सालों तक उनसे नाराज रहे। हालांकि, बड़े बेटे सिद्धांत कपूर और बाद में बेटी श्रद्धा कपूर के जन्म के बाद दोनों परिवारों के बीच की कड़वाहट खत्म हो गई। शिवांगी के माता-पिता ने भी इस रिश्ते को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया। अखबार में लिखा गया- 3 महीने में तलाक हो जाएगा-कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि उनकी शादी के बाद अखबार में आया था कि 3 महीने में उनका तलाक हो जाएगा। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वहीं, शक्ति के ससुर ने उनसे आकर बोला कि तुम्हारे जैसा जमाई मैंने कहीं नहीं देखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। शक्ति कपूर की पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे (अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे की बड़ी बहन) दिग्गज गायिका लता मंगेशकर की रिश्तेदार (भतीजी) हैं। बता दें कि शिवांगी कोल्हापुरे के पिता पंडित पंधारीनाथ कोल्हापुरे की मां, लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की सौतेली बहन थीं। इस नाते शिवांगी के पिता पंधारीनाथ जी, लता मंगेशकर और आशा भोसले के चचेरे भाई लगते थे। एक नजर शक्ति कपूर के करियर पर-शक्ति कपूर ने 1977 में फिल्म 'खेल खिलाड़ी का' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। शुरुआती दौर में उन्हें कई छोटी भूमिकाएं मिलीं, लेकिन 'कुर्बानी' और 'रॉकी' में विलेन के किरदारों ने उन्हें पहचान दिलाई। इसके बाद 'हिम्मतवाला' और 'हीरो' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने नेगेटिव रोल निभाया। 1990 के दशक में शक्ति कपूर ने अपनी एक्टिंग का दायरा बढ़ाया और कॉमेडी में भी खास पहचान बनाई। 'राजा बाबू' में नंदू का किरदार उनके सबसे यादगार रोल्स में शामिल है। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट कॉमेडियन अवॉर्ड मिला। 'अंदाज अपना अपना' में क्राइम मास्टर गोगो, 'चालबाज', 'इंसाफ', 'बाप नंबरी बेटा दस नंबरी' और 'बोल राधा बोल' जैसी फिल्मों में उनके किरदार भी खूब चर्चित रहे। बाद में उन्होंने 'हंगामा', 'हलचल', 'चुप चुप के' और 'मालामाल वीकली' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

बारिश के मौसम में घुटनों-जोड़ों में दर्द, इन 7 कारणों से बढ़ता पेन, सावधानी जरूरी, डाइट बदलें, ये 6 चीजें न खाएं

नयी दिल्ली। मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द की शिकायत बढ़ जाती है। इस मौसम में कुछ लोगों को घुटनों, पीठ और कंधों में दर्द या जकड़न की समस्या होती है। खासकर आर्थराइटिस, पुरानी चोट या हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित लोगों में यह परेशानी बढ़ जाती है। 'द जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कम तापमान और ज्यादा नमी, कुछ लोगों में जॉइंट पेन बढ़ा सकते हैं। हालांकि इसका असर हर व्यक्ति पर एक जैसा नहीं होता। उम्र, स्वास्थ्य और पहले से मौजूद बीमारियां इसमें अहम भूमिका निभाती हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में मानसून में जॉइंट पेन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन लोगों को इसका ज्यादा रिस्क होता है? मानसून में जॉइंट पेन से बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. गौरव प्रकाश भारद्वाज, डायरेक्टर और सीनियर कंसल्टेंट- स्पोर्ट्स इंजरी, जॉइंट प्रिजर्वेशन एंड रिप्लेसमेंट सर्जन, पीएसआरआई हॉस्पिटल, जी के साथ सवाल-जवाब के माध्यम से। मानसून में नमी बढ़ने और धूप कम होने से जॉइंट्स और मसल्स में दर्द बढ़ सकता है। रोज हल्की एक्सरसाइज, पर्याप्त हाइड्रेशन, विटामिन डी सप्लीमेंट और गर्म सिंकाई बॉडी और जॉइंट पेन को कंट्रोल किया जा सकता है। सवाल- मानसून में बॉडी पेन और जॉइंट पेन क्यों बढ़ जाता है? जवाब- मानसून में बढ़ी हुई नमी, तापमान में उतार-चढ़ाव और एयर प्रेशर में बदलाव जोड़ों और मांसपेशियों को प्रभावित करते हैं। इससे कुछ लोगों में दर्द, सूजन और जकड़न की समस्या बढ़ जाती है। मानसून में क्यों बढ़ता जॉइंट पेन-शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ना। हवा में नमी बढ़ना। एयर प्रेशर कम होना। आर्थराइटिस का असर बढ़ना। ब्लड सर्कुलेशन धीमा होना। फिजिकल एक्टिविटी घटना। विटामिन डी की कमी। सवाल- बारिश का मौसम जॉइंट्स को कैसे प्रभावित करता है? जवाब- हां, इसे पॉइंटर्स से समझिए- जिन लोगों को पहले से जॉइंट्स से जुड़ी समस्या है, उनके लिए मानसून ट्रिगर की तरह काम करता है। यह दर्द और जकड़न को बढ़ा देता है। नमी और वायुदाब में बदलाव की वजह से जोड़ों के आसपास के टिश्यू हल्के फैलते हैं। इससे आर्थराइटिस या पुरानी चोट वाले लोगों में दर्द ज्यादा महसूस होता है। ठंडा और नम मौसम मांसपेशियों को भी सख्त बना देता है। इससे मूवमेंट कम हो जाता है और जॉइंट्स में स्टिफनेस बढ़ जाती है। सवाल- किन लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- जिनके जॉइंट्स या मसल्स सेंसिटिव होते हैं या शरीर की रिकवरी क्षमता कम होती है, उन्हें रिस्क ज्यादा होता है। जॉइंट पेन का ज्यादा रिस्क किसको हैं:- जिन्हें विटामिन डी डेफिशिएंसी है। जिन्हें पुरानी चोट या फ्रैक्चर है। जिन्हें फाइब्रोमायल्जिया है। जिन्हें आर्थराइटिस है। जिन्हें ऑटोइम्यून बीमारी है। जिनका

बॉडी वेट ज्यादा है। जो देर तक बैठकर काम करते हैं। सवाल- किन बॉडी पार्ट्स में ज्यादा दर्द बढ़ सकता है? जवाब- जहां पहले से कमजोरी, चोट या सूजन हो, उन बॉडी पार्ट्स में मानसून के दौरान दर्द ट्रिगर होता है, जैसेकि- घुटने, कमर, गर्दन, कंधे, रीढ़, एड़ी और टखने मांसपेशियां हाथ-पैर। सवाल- क्या कम धूप मिलने से दर्द बढ़ सकता है? जवाब- हां, मानसून में धूप कम निकलने से शरीर में विटामिन डी का लेवल कम हो सकता है। इसकी कमी से हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। सवाल- मानसून में जॉइंट पेन कम करने के लिए क्या करें? जवाब- सही लाइफस्टाइल अपनाकर इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें-लंबे समय तक एक पोजिशन में न बैठें। रोज हल्की एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग करें। जोड़ों पर गर्म सिंकाई करें। संतुलित डाइट लें। पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त पानी पिएं। वजन कंट्रोल रखें। जरूरत हो तो डॉक्टर की सलाह लें। सवाल- कौन-सी एक्सरसाइज दर्द से राहत दिलाने में फायदेमंद है? जवाब- जिस एक्सरसाइज से जोड़ों पर ज्यादा प्रेशर न पड़े, वो दर्द से राहत दिलाती है, जैसेकि- वॉकिंग, योग, स्ट्रेचिंग, हल्की फिजियो एक्सरसाइज, तैराकी। सवाल- क्या गर्म सिंकाई से भी दर्द में राहत मिलती है? जवाब- हां, गर्म सिंकाई जॉइंट पेन में राहत देती है। गर्माहट से जोड़ों के आसपास की मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और स्टिफनेस कम होती है। इससे दर्द धीरे-धीरे घटता है। अगर जॉइंट में ज्यादा सूजन और रेडनेस हो तो गर्म की बजाय ठंडी सिंकाई बेहतर है। सवाल- कब डॉक्टर के पास जाना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है- अगर दर्द लंबे समय तक (2-3 हफ्ते) बना रहे। दर्द लगातार बढ़े। जोड़ों में सूजन, रेडनेस हो। छूने पर ज्यादा गर्माहट हो। मूवमेंट में ज्यादा दिक्कत हो। बुखार के साथ तेज दर्द हो। सवाल- क्या खानपान की आदतें भी दर्द बढ़ा सकती हैं? जवाब- हां, गलत खानपान से शरीर में सूजन बढ़ सकती है। इससे जॉइंट पेन बढ़ता है। जॉइंट पेन बढ़ाने वाले फूड- फ्राइड, स्पाइसी फूड, पकौड़े, समोसे, फ्राइज, चिप्स, प्रोसेस्ड / पैकेज्ड फूड, स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, प्रोसेस्ड मीट, पैकेज्ड स्नैक्स, शुगरी चीजें- कोल्ड ड्रिंक, मिठाइयां,ज्यादा नमक, बेकरी आइटम, चिप्स, अचार, नमकीन, रिफाइंड कार्ब्स, पैकेज्ड स्नैक्स, व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री, कुकीज, ठंडी चीजें, शुगरी ड्रिंक्स, रेड मीट, आइसक्रीम ऐसे लोगों की डाइट में एंटी-इंफ्लेमेटरी और कैल्शियम रिच फूड होने चाहिए, जो हड्डियों को मजबूत बनाएं और मसल्स को सपोर्ट दें। जॉइंट पेन में राहत के लिए ये खाएं-एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड- हल्दी, अदरक, लहसुन, प्रोटीन, दालचीनी, दाले, पनीर, अंडे, दही, बीन्स, सोया, कैल्शियम और विटामिन डी। दूध, दही, पनीर, रागी, तिल, फोर्टिफाइड फूड, ओमेगा-3, अलसी के बीज, अखरोट, चिया सीड्स, फैटी फिश, मौसमी फल-सब्जियां-मौसमी फल-सब्जियां- पपीता, सेब, अनार, पालक, लौकी, तोरी। बॉडी पेन से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या ज्यादा सोने या देर तक एक ही पोजिशन में रहने से दर्द बढ़ता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों में फ्लूइड मूवमेंट कम हो जाता है और आसपास की मांसपेशियां सख्त होने लगती हैं। इससे स्टिफनेस और दर्द बढ़ता है। सवाल- क्या पानी कम पीने से भी शरीर दर्द हो सकता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों के बीच मौजूद लुब्रिकेटिंग फ्लूइड का प्रभाव कम हो जाता है। साथ ही घर्षण, स्टिफनेस और दर्द बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन मांसपेशियों में ऐंठन और थकान भी बढ़ाता है। सवाल- क्या नींद की कमी से दर्द बढ़ सकता है? जवाब- हां, पर्याप्त नींद न मिलने पर शरीर की रिपेयर और रिकवरी प्रक्रिया प्रभावित होती है। इससे मसल्स और जोड़ों में सूजन बढ़ सकती है। नींद की कमी दर्द सहने की क्षमता भी कम कर देती है। इसलिए हल्का दर्द भी ज्यादा ज्यादा महसूस होने लगता है। सवाल- क्या लंबे समय तक डेस्क जॉब से दर्द बढ़ता है? जवाब- हां, इससे जोड़ों में स्टिफनेस आती है और मांसपेशियां टाइट होने लगती हैं। गलत पोस्चर इस समस्या को बढ़ा देता है। इससे धीरे-धीरे क्रॉनिक दर्द की स्थिति बन सकती है। सवाल- किस तरह के गद्दा/तकिया बेहतर हैं? जवाब- मीडियम-फर्म ऑर्थोपेडिक गद्दा बेहतर माना जाता है। यह रीढ़ (स्पाइन/रीढ़ की हड्डी) को सही सपोर्ट देता है। साथ ही कंधे, कूल्हे व घुटनों जैसे दबाव वाले हिस्सों पर भार कम करता है। तकिए के लिए ऐसा विकल्प चुनें, जो गर्दन को सीधी और न्यूट्रल पोजिशन में रखे। सवाल- क्या हर बार पेनकिलर लेना सही है? जवाब- नहीं, इसके बजाय दर्द की वजह समझना जरूरी है। साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। सवाल- क्या गलत फुटवियर से दर्द बढ़ सकता है? जवाब- हां, बहुत फ्लैट, बहुत सख्त या बिना कुशन वाले जूते पैरों के शॉक को ठीक से एब्जॉर्ब नहीं करते। इसका असर सीधे एड़ी, घुटनों और कूल्हों तक जाता है। इसी तरह हाई हील्स शरीर का संतुलन बिगाड़ती हैं और घुटनों व पीठ पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। इससे दर्द बढ़ सकता है।

आतिफ असलम बोले- भारत से अच्छे है पाकिस्तान कोक स्टूडियो, पाकिस्तान के गानों में दिखता है जादू, भारतीय संगीत में कमर्शियलाइजेशन ज्यादा

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम ने भारत और पाकिस्तान के लोकप्रिय संगीत प्लेटफॉर्म 'कोक स्टूडियो' के बीच तुलना करते हुए पाकिस्तान कोक स्टुडियो को बेहतर बताया है। एक इंटरव्यू में आतिफ ने कहा कि कोक स्टूडियो पाकिस्तान की सफलता के पीछे उसका 'रॉ और ओरिजनल' संगीत है, जबकि कोक स्टूडियो इंडिया में 'कमर्शियलाइजेशन' (व्यावसायीकरण) ज्यादा हावी दिखता है। 'भारतीय संगीत में कमर्शियलाइजेशन हावी' दुबई के रेडियो स्टेशन मिर्ची यूएई को दिए इंटरव्यू में आतिफ असलम ने दोनों देशों के कोक स्टूडियो के काम करने के तरीके पर बात की। आतिफ ने कहा, दोनों ही तरफ संगीत की कंपोजिशन बेहतरीन बनाई जाती है, लेकिन भारतीय संगीत में वह रॉ-नेस गायब है जो हमारे गानों में होती है। इंडियन कोक स्टूडियो कमर्शियलाइजेशन पर बहुत ज्यादा भरोसा करता है और गानों को बाजार के हिसाब से ढालता है। इसके उलट, पाकिस्तानी कोक स्टूडियो पूरी तरह से ओरिजनल कंपोजिशन पर जोर देता है। वहां संगीतकारों के पास अपनी कला दिखाने की आजादी होती है और एक तरह से यह उनके लिए करो या मरो की स्थिति होती है, जहां वे अपनी अलग पहचान जोड़ सकते हैं। 2008 में शुरू हुआ कोक

स्टूडियो पाकिस्तान कोक स्टूडियो पाकिस्तान की शुरुआत साल 2008 में हुई थी। इसके फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहेल हयात थे। इस शो ने पारंपरिक सूफी, कव्वाली, गजल और लोक संगीत को आधुनिक वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट्स के साथ मिलाकर फ्यूजन म्यूजिक को एक नया मुकाम दिया। यूट्यूब सब्सक्राइबर्सः कोक स्टूडियो पाकिस्तान के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर 1.77 करोड़ (17.7 मिलियन) से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। सबसे लोकप्रिय गानेः कोक स्टूडियो पाकिस्तान के सीजन 14 का गाना 'पसूरी' (अली सेठी और शे गिल) 99 करोड़ से ज्यादा व्यूज के साथ सबसे बड़ा ग्लोबल हिट बना। राहत फतेह अली खान व मोमिना का 'आफरीन आफरीन' (67 करोड़ प्लस व्यूज) और आतिफ असलम का 'ताजदार-ए-हरम' (65 करोड़ प्लस व्यूज) इस प्लेटफॉर्म के ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर गानों में शामिल हैं। कोक स्टूडियो भारतः 2011 में हुई थी शुरुआत भारत में कोक स्टूडियो की शुरुआत साल 2011 में 'एमटीवी कोक स्टूडियो इंडिया' के नाम से हुई थी। शुरुआती सीजन्स में ए.आर. रहमान, अमित त्रिवेदी और क्लिंटन सेरेजो जैसे संगीतकारों ने कई बेहतरीन ओरिजनल ट्रैक्स बनाए, लेकिन बाद के सालों में यह प्लेटफॉर्म भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और बॉलीवुड कंपोजर्स के प्रभाव में ज्यादा आ गया। रीब्रांडिंग और सब्सक्राइबर्सः साल 2023 में इसे 'कोक स्टूडियो भारत' के नाम से दोबारा लॉन्च किया गया। वर्तमान में 'कोक स्टूडियो भारत' के यूट्यूब चैनल पर करीब 72 लाख (7.2 मिलियन) सब्सक्राइबर्स हैं। लोकप्रिय गानेः भारतीय कोक स्टूडियो का सबसे बड़ा हालिया हिट गाना अनुव जैन का 'अर्ज किया है' रहा। इसने यूट्यूब पर 23 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल किए। इसके बाद दिलजीत और गुरदास मान का सॉन्ग 'की बनु दुनिया दा' 23 करोड़ से ज्यादा व्यूज के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं गुजराती सॉन्ग 'खलासी' ने यूट्यूब पर 18 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल किए हैं। इसके अलावा ममे खान और अमित त्रिवेदी का 'चौधरी' और विशाल डडलानी व सोनू कक्कड़ का 'मदारी' काफी पसंद किए गए। भारत में बैन हुए, बोले- लोग वीपीएन से गाने सुनते हैं इससे पहले आतिफ असलम ने भारत में लगे बैन पर बात करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और वो अपने फैंस को मिस करते हैं। यह बात उन्होंने रेडियो प्रेजेंटर क्रिस फेड के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में कही। बातचीत में आतिफ असलम ने कहा, 'मुझे भारत में बैन हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। यह भारतीय सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों को बैन करने का फैसला किया। भारतीय कलाकार भी पाकिस्तान में बैन हैं। पिछले 10 साल से। मैंने वहां कोई गाना रिलीज नहीं किया है।' उन्होंने भारतीय फैंस के लगातार अपने संगीत को सुनने का जिक्र करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और सीडी बनाकर दूसरों को देते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाइरेसी को बढ़ावा नहीं देते, लेकिन संगीत जहां पहुंचना होता है, वहां पहुंच जाता है। मेरे पहले सिंगल के साथ भी ऐसा ही हुआ था। आतिफ

ने भारतीय फैंस को उदास नहीं होने कहा-भारतीय फैंस के लिए आतिफ ने कहा, 'हां, इसे लेकर बुरा मत महसूस करो। उदास मत हो। मैं हमेशा से आप लोगों से कहना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की याद नहीं आती, लेकिन आप लोगों की याद आती है।' आतिफ ने आगे कहा कि मैंने प्लेबैक सिंगिंग से बहुत कुछ सीखा है। अगर यह बैन नहीं हुआ होता, तो शायद मैं अपना खुद का म्यूजिक नहीं बना पाता। इसलिए इसके लिए भी मैं आप लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं। पाकिस्तानी कलाकारों पर क्यों लगा था बैन-सितंबर 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसी दौरान इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएम पीपी ए) ने अपने निर्माता सदस्यों को भारत-पाकिस्तान के रिश्ते सामान्य होने तक पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को काम न देने का निर्देश दिया था। हालांकि, 2016 के बाद भी कई बॉलीवुड फिल्मों में आतिफ असलम के गाने आए। 2017 में फिल्म 'टाइगर जिंदा है' का 'दिल दियां गल्लां', 'राब्ता' का 'दरअसल', 'ट्यूबलाइट' का 'मैं अगर' और 'करीब करीब सिंगल' का 'जाने दे' रिलीज हुआ। वहीं, 2018 में 'बागी 2' का 'ओ साथी', 'सत्यमेव जयते' का 'पानियों सा', 'लवयात्री' का 'तेरा हुआ' और 'जीनियस' का 'दिल मेरी ना सुने' गाना रिलीज हुआ। वहीं, मार्च 2019 के बाद से उनका कोई गाना बॉलीवुड फिल्मों में रिलीज नहीं हुआ। गौरतलब है कि फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने भी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पाकिस्तानी एक्टर्स और कलाकारों पर पूरी तरह बैन की घोषणा की थी। इस हमले में 40 सीआरपीएफ जवानों की जान गई थी। 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी फिल्मों, वेब सीरीज, गानों और पॉडकास्ट पर रोक लगा दी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने आईटी रूल्स 2021 के तहत ओटीटी और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स से पाकिस्तानी कंटेंट हटाने का आदेश दिया। इसके अलावा कई पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स भी भारत में अस्थायी रूप से ब्लॉक किए गए। इनमें माहिरा खान और हानिया आमिर जैसे कलाकार शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।